INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-32 | मथुरा, रविवार, 29 मार्च 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जिला अस्पताल में 50 बेड का क्रिटिकल ब्लॉक बनेगा लाइफलाइन

यूनिक समय, मथुरा। जनपद मथुरा के लोगों के लिए राहत भरी खबर है कि जिला अस्पताल में निर्माणाधीन 50 बेडेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक जल्द ही स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती देने वाला है। इस अत्याधुनिक ब्लॉक के तैयार होने के बाद गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें जिले में ही उन्नत चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो

सकेंगी। लंबे समय से मथुरा में आईसीयू, वेंटिलेटर और अन्य क्रिटिकल केयर सुविधाओं की कमी बनी हुई थी। इसके चलते गंभीर मरीजों को आगरा, नोएडा या अन्य बड़े शहरों के अस्पतालों में रेफर करना पड़ता था। इस प्रक्रिया में न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ जाता था। अब निर्माणाधीन इस 50 बेडेड

स्वास्थ्य सेवाओं में होगा बड़ा बदलाव, गंभीर मरीजों को मिलेगी राहत

क्रिटिकल केयर ब्लॉक के शुरू होने से यह समस्या काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है। ब्लॉक में आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित आईसीयू, इमरजेंसी केयर यूनिट और प्रशिक्षित चिकित्सा स्टाफ की व्यवस्था की जाएगी, जिससे गंभीर मरीजों को त्वरित और प्रभावी उपचार मिल सकेगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह परियोजना जिले की चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे न केवल मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि जिला अस्पताल की कार्यक्षमता और भरोसा भी बढ़ेगा।

कोसी पुलिस का थाने में नंगा नाच

रसूखदारों के दबाव में मारपीट के शिकार परिवार को ही पीटा

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां थाने में पुलिस द्वारा राजनैतिक रसूखदार लोगों द्वारा एक परिवार के साथ की गई मारपीट मामले में पीड़ित परिवार का मुकदमा दर्ज करना तो दूर की बात रही। उलटा पीड़ित परिवार के साथ थाने में मारपीट की गई। इस मामले में पीड़ित महिला ने थाने में तैनात एक दरोगा सहित तीन लोगों पर मारपीट करने और घायल बेटे का काफी मिन्नतों के बाद मेडिकल कराए जाने का आरोप लगाया है। कोसीकलां के मौहल्ला तांगड़ा में रहने वाली महिला हरप्यारी पत्नी हरी सिंह ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि 7 मार्च को सायं करीब पांच बजे बठैन गेट पर उनके नये मकान पर दबंग सोहन सिंह, लोकेश उर्फ लोकी, नीतेश उर्फ नीतू, प्रदीप कुछ अन्य लोगों के साथ लाठी डंडो, सरिया आदि से लैस होकर

नाबालिग को भी थाने से रात में छोड़ा

घायलों पर ही पुलिस ने की कार्रवाई

फोन छीन मारपीट का वीडियो किया डिलीट

आए। इन लोगों ने आते ही घर में घुसकर मारपीट की। शोक सुनकर लोग वहां आए तो हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से चले गए। मारपीट में बेटा बहू आदि घायल हो गए। बेटी ने कमरे में बंद होकर 112 को फोन किया। 112 ने आकर कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद हरप्यारी की बड़ी बेटी थाने गई। थाने से दो सिपाही आए और गंभीर रूप से घायल बेटे बहू और पोती व छोटे बेटे को थाने ले गए। थाने ले जाकर रसूखदार हमलावरों के दबाव में आकर पोती व बहू को बंद कर दिया। इस तरह पुलिसकर्मियों ने पीड़ितों की मदद करने के बजाए उलटे उनके साथ ही मारपीट की। यही नहीं घायल का मेडिकल तक नहीं कराया। सभी को धमकी देते भाग जाने को कहा। इसके बाद काफी प्रयास के बाद घायल बेटे को कोसीकलां के सरकारी हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उसकी चितांजनक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रैफर कर दिया। पीड़िता का आरोप है कि समाज के लोगों द्वारा किए गए प्रयास के बाद नाबालिग पोती को रात को करीब नौ बजे थाने से छोड़ा गया। इसके साथ ही थाने में अपने हिसाब से लिखापड़ी कराने के बाद छोटे बेटे को भी रात को दस बजे छोड़ा गया। बताया गया कि पोती ने थाने में की जाने वाली मारपीट का वीडियो बनाया तो उसके पुलिसकर्मियों ने मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट कर दी। थाने में मनजीत नामके मुंशी, विनीत कुमार व रणवीर सिंह छोटे बेटे के साथ मारपीट कर रहे थे।

डिलीट वीडियो पुलिस कर्मियों द्वारा की जाने वाली मारपीट का था। उप निरीक्षक संदीप कुमार ने पोती को भद्दी—भद्दी गालियां थी। बाद में 12 मार्च को घायल छोटे बेटे का पुलिस ने मेडिकल कराया। जिला अस्पताल घायल बेटे को देखने के लिए जाने पर हमलावरों ने गाड़ी से अस्पताल तक पीछा किया और धमकी भी दी थीं। इस मामले में पीड़िता ने इस मामले की निष्पक्ष जांच करा कर दोषी पुलिस कर्मियों और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की

जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निरीक्षण

मंत्री वाईपी सिंह ने परखी निर्माण की हकीकत

राज्यमंत्री वाईपी सिंह जिला अस्पताल स्थित निर्माणाधीन 50 बेडेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन का निरीक्षण करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। यूपीसिडको (यू.पी. स्टेट कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री वाई.पी. सिंह ने सोमवार को जिला अस्पताल स्थित निर्माणाधीन 50 बेडेड क्रिटिकल केयर ब्लॉक भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति, गुणवत्ता और सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के समय संबंधित विभागों के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण कार्य की समयसीमा, उपयोग में लाई जा रही सामग्री और उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। मौके पर निरीक्षण करते हुए वाई.पी. सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि यह क्रिटिकल केयर ब्लॉक जनपद के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है, जिससे गंभीर मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने भवन के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए, ताकि परियोजना को तय समयसीमा में पूर्ण किया जा सके। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, इंजीनियर और अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। इस परियोजना को लेकर लोगों में काफी उम्मीदें हैं और इसके शीघ्र पूर्ण होने की अपेक्षा जताई जा रही है।

दस्तक | युवा इंजीनियरों की टीम बना रही भारत का टेक्नोलॉजी भविष्य

नोएडा बना 'रोबो वर्ल्ड', हर साल बनेंगे एक लाख रोबोट

यूनिक समय, नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर 156 में स्थित एक अत्याधुनिक रोबोट निर्माण हब तेजी से भारत को वैश्विक रोबोटिक्स मानचित्र पर स्थापित कर रहा है। यहां स्थित एडवर्ब कंपनी की 'बॉट वैली' और 'बॉट वर्स' फैक्ट्रियां देश की सबसे बड़ी रोबोट निर्माण इकाइयों में शामिल हैं, जहां हर साल एक लाख रोबोट बनाने की क्षमता विकसित की जा रही है। करीब 740 इंजीनियरों की युवा टीम, जिनकी औसत उम्र मात्र 27 वर्ष है, इस तकनीकी क्रांति को आकार दे रही है। फैक्ट्री में छोटे—बड़े विभिन्न प्रकार के रोबोट काम करते नजर आते हैं, जो सेंसर तकनीक की मदद से बिना टकराए अपने कार्य को अंजाम देते हैं। यहां का वातावरण इतना शांत है कि यह किसी इलेक्ट्रिक वाहन से भी अधिक साइलेंट लगता है। 'बॉट वैली' 2.5 एकड़ में फैला रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर है, जबकि 'बॉट

वर्स' 15 एकड़ में स्थापित मैन्युफैक्चरिंग यूनिट है। फिलहाल यहां 3 से 6 हजार रोबोट सालाना बनाए जा रहे हैं, लेकिन पूरी क्षमता पर पहुंचने के बाद यह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी रोबोट फैक्ट्री बन सकती है। कंपनी के अधिकारियों के अनुसार यहां बनने वाले अधिकांश रोबोट्स के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर पूरी तरह स्वदेशी हैं। फैक्ट्री में हाई—लेवल ऑटोमेशन है और बिजली कटौती की स्थिति में पूरा सिस्टम सोलर एनर्जी पर शिफ्ट हो जाता है। यहां 'एलिक्सिस डब्ल्यू' जैसे व्हील्ड ह्यूमनॉइड, डॉग रोबोट ट्रैकर और एडवांस्ड ह्यूमनॉइड रोबोट विकसित किए जा रहे हैं। इनका उपयोग वेयरहाउस, सुरक्षा, निर्माण, रक्षा और यहां तक कि अंतरिक्ष मिशनों में भी किया जा सकेगा। विशेष बात यह है कि कंपनी अपने वार्षिक राजस्व का 25% हिस्सा रिसर्च पर खर्च कर रही है। वर्तमान में कंपनी के 60% ग्राहक

स्वदेशी रोबोट से वैश्विक बाजार में भारत की दस्तक

साइलेंट फैक्ट्री में रोबोट कर रहे हर काम

अंतरिक्ष तक पहुंचेंगे भारतीय ह्यूमनॉइड रोबोट

विदेशी बाजार में छाए भारतीय रोबोट, बढ़ी मांग

विदेशों में हैं और अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया व मिडिल ईस्ट से बड़े ऑर्डर मिल रहे हैं। भारत में जहां प्रति 10 हजार लोगों पर केवल 9 रोबोट हैं, वहीं इस पहल से देश में तकनीकी विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। नोएडा का यह 'रोबो वर्ल्ड' आने वाले समय में भारत को रोबोटिक्स का वैश्विक केंद्र बना सकता है।

पोषाक के गोदाम में लगी आग

आग से 15 लाख का सामान जलकर हुआ राख

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली क्षेत्र स्थित कठौती कुआं इलाके के एक गोदाम में लगी आग से भगवान की पोषाक सहित अन्य सामान जल गया। आग से 15 लाख रुपये के सामान के जलने की बात कही जा रही है। गोदाम संचालक सोनू पाल ने बताया कि रात में उन्होंने गोदाम से धुआं उठते देखा। उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक गोदाम में रखा अधिकांश सामान जल चुका था। गोदाम में लगी आग से लगभग 15 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। गोदाम में लड्डू गोपाल की पोशाकें, कपड़े और अन्य संबंधित सामग्री बड़ी मात्रा में रखी थी, जो पूरी तरह नष्ट हो गई। यह व्यवसाय उनके परिवार की आजीविका का एकमात्र साधन था। आग लगने से उनकी रोजी—रोटी पर संकट आ गया है, जिससे परिवार के पालन—पोषण में कठिनाई होगी। पुलिस ने आग लगने की घटना के बारे में जांच शुरू की है जिससे पता लग सके कि आग लगने की वजह क्या रही।

2.52 करोड़ से बदलेगा सड़कों का चेहरा

ग्रामीण सड़कों के सुधार को मिली मंजूरी

यूनिक समय, मथुरा। जनपद मथुरा में सड़क एवं यातायात व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ी पहल की गई है। नेशनल हाईवे–2 स्थित जैंत से भक्ति वेदान्त गुरुकुल आझई मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ आटस कीकी से गोंदा आटस मार्ग के सुधार कार्य को भी मंजूरी दी गई है। इन दोनों परियोजनाओं के लिए कुल 2 करोड़ 52 लाख रुपये से अधिक की धनराशि अवमुक्त की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जैंत से भक्ति वेदान्त गुरुकुल आझई मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए 2 करोड़ 7 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं आटस कीकी से गोंदा आटस मार्ग के निर्माण एवं सुधार के लिए 45 लाख रुपये अवमुक्त किए गए हैं। ये दोनों मार्ग धार्मिक, शैक्षिक और ग्रामीण कनेक्टिविटी के दृष्टिकोण से बेहद

मथुरा में दो प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण

महत्वपूर्ण हैं। जैंत–आझई मार्ग से जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं विद्यार्थी आवागमन करते हैं, वहीं आटस–गोंदा मार्ग ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य सड़कों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाता है। वर्तमान में दोनों मार्गों की स्थिति जर्जर और संकरी होने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रस्तावित कार्यों के तहत सड़कों को चौड़ा करने के साथ उनकी गुणवत्ता को भी बेहतर बनाया जाएगा। साथ ही जल निकासी, सड़क सुरक्षा और संकेतक व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाएगा। स्थानीय लोगों ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया है। अधिकारियों के अनुसार कार्य को तय मानकों के अनुरूप शीघ्र शुरू कर समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा, जिससे क्षेत्र में आवागमन सुगम और सुरक्षित हो सकेगा।

तापमान / मौसम

34 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

21 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,47,060
22 कैरेट 1,35,295
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,27,990 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

गर्मी की आहट से गुलजार हुए बाजार

एसी–कूलरों की मांग में आया उछाल

कृष्णा नगर बाजार में दुकान पर रखे कूलर।

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी की शुरुआत होते ही शहर से लेकर कस्बों व देहातों में ठंडक के इंतजामों को लेकर हलचल तेज हो गई है। मथुरा के बाजारों में इन दिनों कूलर की दुकानों पर रौनक लौट आई है। एक ओर जहां लोग अपने पुराने एसी व कूलरों की मरम्मत कराने के लिए दुकानों पर पहुंच रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बाजारों में नए–नए डिजाइन और आधुनिक फीचर्स वाले कूलर सजने लगे हैं। गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए लोग अभी से अपने पुराने कूलरों और एसियों को दुरुस्त कराने में जुट गए हैं। शहर के विभिन्न इलाकों में कूलर, एसी मैकेनिकों की दुकानों पर सुबह से ही भीड़ देखी जा रही है। पंखे, मोटर, पंप और घास बदलवाने का काम शुरू हो गया है, ताकि तेज गर्मी के दिनों में किसी

गर्मी को देखते हुए एसी रिपेयरिंग के लिए ले जाता हुआ रिक्शा।

मरम्मत कार्य ने पकड़ी रफ्तार, नए डिजाइनों से सजे बाजार

एसी, कूलरों की रिपेयरिंग के लिए शुरू हुई दुकानों पर आमद

प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बाजार में इस बार कई आकर्षक और आधुनिक कूलर ग्राहकों को पसंद आ रहे हैं। कंपनियों ने कम बिजली खपत, ज्यादा कूलिंग क्षमता और स्टाइलिश लुक वाले कूलर उतारे हैं। खासतौर पर प्लास्टिक बॉडी और डेजर्ट कूलर की मांग अधिक देखी जा रही है। ग्राहकों को लुभाने के लिए कुछ दुकानदार आसान किस्तों में कूलर दे रहे हैं। जिससे हर वर्ग के लोग अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर सकें। बाजारों में कूलरों की सजावट भी ग्राहकों को लुभाना शुरू कर रही है। व्यापारियों का कहना है कि जैसे–जैसे तापमान बढ़ेगा, कूलरों की बिक्री में और तेजी आएगी। गर्मी की दस्तक के साथ मथुरा के बाजारों में कूलर देखने को मिल रहे है। नए डिजाइनों की चमक और मरम्मत कार्य की व्यस्तता ने बाजार में चहल–पहल बढ़ा दी है।

महिलाओं को मिला स्वरोजगार का संबल

केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रमाण–पत्रों के साथ प्रशिक्षणार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 35 दिवसीय निशुल्क ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के निदेशक भूपेंद्र सिंह ने सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 25 महिलाओं ने भाग लिया, जिन्हें स्वरोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक और तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। निदेशक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि संस्थान वर्ष 2011 से लगातार बेरोजगार युवक–युवतियों को विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान कर

35 दिवसीय ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण का समापन

रहा है। यहां करीब 70 प्रकार के नि:शुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाते हैं, जिनसे बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित होकर अपना व्यवसाय शुरू कर चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण के बाद इच्छुक अभ्यर्थियों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए बैंक से ऋण दिलाने में भी संस्थान सहयोग करता है, जिससे उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिलती है। समापन अवसर पर दीपक पचौरी, हर्षित, चंद्र प्रकाश, दीन दयाल और राधा बल्लभ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साह और प्रेरणा से भरा रहा।

आर्ट ऑफ लिविंग परिवार की पहल: 2 अप्रैल को ऐतिहासिक आयोजन

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग अवशेषों का आगमन

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी 2 अप्रैल को एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक क्षण की साक्षी बनने जा रही है। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत 1000 वर्ष प्राचीन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के पावन अवशेषों का आगमन होगा। इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन की विस्तृत जानकारी दी गई। परमपूज्य गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर के मार्गदर्शन में बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम से स्वामी भव्यतेज इन अवशेषों को लेकर देशभर की यात्रा पर हैं। यह यात्रा विभिन्न राज्यों से होकर उत्तर प्रदेश के झांसी और कानपुर के रास्ते मथुरा पहुंचेगी। इसके बाद यह यात्रा आगरा, मेरठ, गजरौला, मुरादाबाद, प्रयागराज और काशी की ओर प्रस्थान करेगी। साध्वी राधारानी ने

प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते पदाधिकारी।

बताया कि यह अवसर केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, आस्था और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक ये पवित्र अवशेष तमिलनाडु में सुरक्षित रखे गए और अब देशभर में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए लाए जा रहे हैं। साध्वी कनकेश्वरी ने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए बताया कि वर्ष 1026 में आक्रमणकारी महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ मंदिर को क्षति पहुंचाई गई थी, लेकिन श्रद्धा की भावना कभी समाप्त नहीं हुई। इन अवशेषों को पीढ़ियों तक सुरक्षित रखा गया और पूजा–अर्चना जारी रही। वर्ष 1925 में कांची के शंकराचार्य ने इन्हें उचित समय पर योग्य संत को सौंपने की भविष्यवाणी की थी। जनवरी 2025 में परंपरा के अंतिम संरक्षक द्वारा ये धरोहर गुरुदेव को समर्पित की गई। आर्ट ऑफ

शोभायात्रा के साथ गर्तेश्वर महादेव मंदिर में होगा विशेष पूजन

लिविंग के शिक्षक आशीष कक्कड़ ने कहा कि यह आयोजन मथुरा की धार्मिक पहचान को और मजबूत करेगा। कार्यक्रम गर्तेश्वर महादेव मंदिर में सुबह 7:30 बजे से 10 बजे तक आयोजित होगा। इससे पहले सुबह 7 बजे कृष्ण जन्मभूमि गेट संख्या 3 से शोभायात्रा प्रारंभ होकर मंदिर पहुंचेगी। इस दौरान विशेष पूजन, भजन–कीर्तन और दर्शन की व्यवस्था रहेगी। इस मौके पर नूपुर जैन, सीए जॉली अग्रवाल, लोकेश गोस्वामी और अर्णब भट्टाचार्य सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

भावुक विदाई समारोह में दिखा स्नेह और शिक्षा का संगम

यूनिक समय, मथुरा। प्राथमिक विद्यालय लालपुर, विकास खंड गोवर्धन में छात्र विदाई एवं सम्मान समारोह भावुक माहौल में सम्पन्न हुआ। राज्य शिक्षक पुरस्कार प्राप्त नरेन्द्र चौधरी और रेखा रानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में "बस इतना ही संग था हमारा तुम्हारा..." गीत के साथ बच्चों को विदाई दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसआरजी शिवकुमार, एआरपी मुरारीलाल उपाध्याय, कपिलदेव और हरवीर सिंह ने माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। मेधावी छात्रों को शील्ड, सामान्य ज्ञान पुस्तकें और शैक्षिक किट देकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में छात्र राजकुमार का भाषण और छात्रा अनुष्का का नृत्य आकर्षण का केंद्र रहे। कक्षा 3 और 5 के 35 छात्रों को शिक्षकों ने स्मृति स्वरूप फोटो फ्रेम भेंट किए। कार्यक्रम में देवेंद्र शर्मा, मंदो बाबा, महंत बाबा, विनोद, ऋषिकुमार, सीता देवी, कुशमा देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

यमुना एक्सप्रेस वे पर बस में लगी आग

चलती बस से 48 सवारियों ने बमुश्किल कूदकर बचाई जान

यमुना एक्सप्रेस वे पर जलती बस।

बस में लगी आग बुझाते दमकलकर्मी।

यमुना एक्सप्रेस वे पर जलती बस से उठती आग की लपटें।

यूनिक समय, बाजना। थाना नौहझील इलाके के यमुना एक्सप्रेस वे पर आगरा से नोएडा के लिए जाती एक बस में अचानक आग लग गई। आग लगने की जानकारी होने पर बस की सवारियों ने किसी तरह बस से नीचे उतरकर जान बचाई। देखते ही देखते बस आग के गोले में तब्दील हो गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया।

देखते ही देखते बस हुई आग के गोले में तब्दील

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

एक प्राइवेट बस शनिवार की प्रातः आगरा से 48 सवारियों को लेकर नोएडा के लिए जा रही थी। यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 64 पर तेज दौड़ती बस में करीब दस बजे आग लग गई। चालक को जब बस में आग लगने का पता लगा तो उसने बस को रोक दिया। बस में लगी आग से बस में सवार सवारियों में चीख पुकार मच गई। किसी तरह सवारियों ने बस से नीचे उतरकर जान बचाई। बताया गया कि जैसे ही पुलिस को सूचना मिली चौकी प्रभारी बाजना कट हरेंद्र सिंह, थाना प्रभारी निरीक्षक सोनू सिंह मौके पर पहुंच गए। इसके बाद फायर ब्रिगेड की मौके पर पहुंची दमकल ने जलती बस की आग को बुझाया। गनीमत रही कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस और यमुना एक्सप्रेस वे की टीम ने जली बस को वहां से हटवाकर मार्ग को सुचारू किया। बताया गया कि बस में काफी सवारियों का सामान जल गया। सवारियां वहां से अपने गंतव्य को चली गई।

यमुना एक्सप्रेस वे पर तैनात की जाए एक फायर टेंडर

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर जिस तरह वाहनों में आग लगने की घटनाएं हो रही है। आग पर तुरंत कंट्रोल करने के लिए वहां पर एक फायर ब्रिगेड की दमकल को तैनात किए जाने की आवश्यकता है। यमुना एक्सप्रेस वे पर वाहनों में आग लगने की आए दिन जिस तरह की घटनाएं हो रही हैं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को मांट से मौके पर पहुंचने में काफी समय लगता है। अगर फायर ब्रिगेड की गाड़ी यमुना एक्सप्रेस वे पर तैनात रहे तो कुछ ही समय में फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग को कंट्रोल कर सकती है। इससे आग से होने वाला नुकसान भी कम हो सकता है। इसके साथ ही जन हानि को

मांट-मथुरा से फायर टेंडरों को मौके पर पहुंचने में लगता है समय

भी कम किया जा सकता है। एक्सप्रेस वे पर कुछ समय पहले बल्देव थाना क्षेत्र में जिस तरह दुर्घटना में तीन वाहनों में लगी आग से कई लोगों की जलकर मौत हो चुकी है। कई अन्य वाहन धूं-धूं कर आग की भेंट चढ़ चुके हैं। स्थानीय लोगों ने यमुना एक्सप्रेस वे पर एक फायर टेंडर की तैनाती किए जाने की जिला प्रशासन से मांग की है, जिससे आग लगने पर तुरंत प्रभावी कार्रवाई कर जन-धन हानि को रोका जा सके।

बस में आग लगने के संभावित कारण क्या हो सकते हैं?

यूनिक समय, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर चलती बस में आग लगने की घटना बेहद गंभीर है, जिसमें यात्रियों की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। ऐसे मामलों में आग लगने के पीछे कई तकनीकी और मानवीय कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण शॉर्ट सर्किट होता है, जो बस की वायरिंग में खराबी या ढीले कनेक्शन के कारण हो सकता है। इसके अलावा इंजन के अधिक गर्म हो जाने (ओवरहीटिंग) से भी आग लगने की संभावना रहती है। डीजल या तेल रिसाव होने पर गर्म इंजन के संपर्क में आने से आग भड़क सकती है। कई बार बसों की नियमित सर्विसिंग न होने और पुरानी वायरिंग भी हादसों को बढ़ा देती है। एक्सप्रेस वे जैसी तेज रफ्तार सड़कों पर लगातार दबाव से मैकेनिकल फेल्योर का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए समय पर जांच और रखरखाव बेहद जरूरी है।

नीमगांव में एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़े

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया के नीमगांव में कल मेले में बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर आज एक ही परिवार के दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे आदि चले। दोनों पक्षों ने एक दूसरे से जमकर मारपीट की। झगड़े में एक दर्जन महिला पुरुष घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया गया कि कल लगने वाले मेले में भोला और राजपाल के परिवार के बच्चों में किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। उस समय बात को वहीं खत्म करा दिया गया। आज प्रातः करीब सात बजे दोनों परिवार के लोग एक दूसरे के सामने आ गए। दोनों पक्षों की महिला और पुरुषों के बीच कहासुनी के बाद जमकर लाठी डंडे चले। दोनों ही

दोनों पक्षों के लोगों ने जमकर चलाए लाठी-डंडे

एक दर्जन घायलों को पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

परिवार के लोगों ने इस बात का भी ख्याल नहीं किया कि सामने महिला हैं अथवा बच्चे। जमकर एक दूसरे पर लाठी डंडे और दूसरे हथियारों से जमकर प्रहार किया। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के घायल हुए एक दर्जन लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस को तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

घनी आबादी क्षेत्र में बने गोदामों में सुरक्षा का नहीं इंतजाम

यूनिक समय, मथुरा। घनी आबादी वाले क्षेत्र में हुई इस घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि रिहायशी इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना ऐसे गोदामों का संचालन स्थानीय लोगों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इन क्षेत्रों में गोदाम बनाने वालों को आग से सुरक्षा के इंतजाम करने चाहिए जिससे समय रहते आग पर काबू कर नुकसान को कम किया जा सके।

बिजली के खंभे में करंट उतरने से भैंस की मौत

घड़ी भीमा गांव में हादसा, विद्युत विभाग को दी गई सूचना

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। क्षेत्र के गांव घड़ी भीमा में रविवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां बिजली के खंभे में करंट उतरने से एक भैंस की मौत हो गई। इस घटना से किसान परिवार वाले परेशान हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसान हुकुम अपनी भैंस को घर से खोलकर खेत पर पानी पिलाने के लिए ले जा रहे थे। जैसे ही भैंस रास्ते में लगे विद्युत खंभे के पास पहुंची, अचानक खंभे में उतरे करंट की चपेट में आ गई। करंट इतना तेज था कि भैंस खंभे से चिपक गई और कुछ ही क्षणों में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद किसान और उसके परिजनों में कोहराम मच गया। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर एकत्र हो गए।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

चाय बनाते समय गैस सिलेंडर फटने से हुआ भंयकर विस्फोट

मकान की छत उड़ गई साथ ही घर में आग लग गई

महिला ने वहां से बाहर भाग कर बचाई जान

ग्रामीणों ने लगाई प्रशासन से आर्थिक मदद की गुहार

यूनिक समय, छाता। भौगांव में एक मकान में रविवार की प्रातः चाय बनाने के दौरान अचनाक गैस सिलेंडर फट गया। विस्फोट इतना भंयकर था कि पक्के मकान की छत के परखच्चे उड़ गए। इसके साथ ही घर में आग लग गई। महिला ने किसी तरह वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। जोरदार धमाके से गांव में दहशत फैल गई। भोगांव निवासी रामवती रविवार की सुबह करीब 7:00 बजे अपने बच्चों के लिए चाय बना रही थीं। उस समय बच्चे घर के बाहर थे। चाय बनाने के दौरान अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गई। महिला सिलेंडर में आग लगते देख वहां से बाहर निकल गई। इसी दौरान गैस सिलेंडर से जोरदार विस्फोट हुआ। तेज आवाज के साथ मकान की बनी पक्की छत के परखच्चे उड़ गए। इसके साथ ही घर में आग लग गई। देखते ही देखते घर में रखे सामान को आग ने अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। सिंलेडर फटने की आवाज इतनी तेज थी कि गांव में काफी दूर-दूर तक धमाके की आवाज सुनाई दी। तेज आवाज से पूरा गांव दहल गया। देखते ही देखते आग ने घर के पूरे सामान को जला दिया। ग्रामीणों ने आग को बुझाने के प्रयास किए लेकिन आग पर काबू नहीं किया जा सका। ग्रामीणों ने डायल 112 और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दमकलों ने ग्रामीणों के साथ कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे की जानकारी मिलते ही प्रशासन की ओर से लेखपाल और राजस्व निरीक्षक ने घटनास्थल का मुआयना किया और नुकसान का आकलन किया। महिला रामवती के देवर मनोज ने बताया कि रामवती एक बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पति का निधन हो चुका है और वह मेहनत-मजदूरी करके अपने चार छोटे बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। इस हादसे से वह और उसके बच्चे पूरी तरह से बर्बाद हो गए। इसके चलते अब परिवार के सामने जीवन यापन का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और शासन से पीड़ित गरीब विधवा महिला की दयनीय स्थिति को देखते हुए उसे आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है जिससे वह फिर से अपने क्षतिग्रस्त मकान की मरम्मत करा के चार बच्चों का पालन पोषण कर सके।

आग लगने के बाद जले हुए घर का नजारा।

खंडहर बना अस्पताल 50 गांवों की सेहत संकट में

यूनिक समय, बाजना। बाजना क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं की जमीनी हकीकत सरकारी दावों से बिल्कुल अलग नजर आ रही है। जहां एक ओर सरकार "हर घर स्वास्थ्य" का नारा दे रही है, वहीं यहां का एकमात्र सरकारी स्वास्थ्य केंद्र खुद बदहाली का शिकार बना हुआ है। वर्षों पुरानी इमारत अब खंडहर में तब्दील हो चुकी है, जहां टूटी दीवारें, जर्जर छत और खाली कमरों के अलावा कुछ नहीं बचा।

बाजना कस्बा करीब 50 गांवों का मुख्य केंद्र है, जहां हजारों ग्रामीण इलाज के लिए इसी स्वास्थ्य केंद्र पर निर्भर हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि यहां न तो नियमित डॉक्टर मिलते हैं और न ही बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मरीजों को प्राथमिक उपचार तक के लिए भटकना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी गरीब परिवारों और गर्भवती महिलाओं को झेलनी पड़ रही है। प्रसव के समय अस्पताल पहुंचने पर उन्हें निराशा ही हाथ लगती है, क्योंकि यहां न डिलीवरी की सुविधा है और न ही किसी आपात स्थिति से निपटने के साधन। मजबूरी में लोगों को निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है, जहां उन्हें भारी खर्च का सामना करना पड़ता है। कई मामलों में समय पर इलाज न मिलने से मरीजों की हालत गंभीर हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार मरीजों को जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उनकी हालत बिगड़ जाती है। इससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने कई बार शिकायतें भी कीं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। क्षेत्रीय जनता की मांग है कि इस स्वास्थ्य केंद्र का पुनर्निर्माण कर इसे आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए। साथ ही स्थायी डॉक्टरों और स्टाफ की नियुक्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि ग्रामीणों को समय पर इलाज मिल सके। अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस गंभीर समस्या पर ध्यान देगा या फिर यह अस्पताल यूं ही अपनी बदहाली पर आंसू बहाता रहेगा।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीनें वितरित कीं

कोसीकलां के नवीपुर औद्योगिक क्षेत्र में महिलाओं को मशीन वितरित करते सरजीत सिंह एवं कंपनी के अधिकारीगण।

यूनिक समय, कोसीकलां। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल करते हुए एसटीपी लिमिटेड कंपनी द्वारा सिलाई मशीन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मशीनें पाकर महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। नवीपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एसटीपी लिमिटेड परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सरजीत सिंह एवं भोलू प्रधान ने जरूरतमंद ग्रामीण महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित कीं। कार्यक्रम के दौरान कंपनी के प्लांट हेड मनीष नारंग एवं एचआर कोमल शर्मा ने बताया कि कंपनी द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) योजना के अंतर्गत समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना कंपनी की प्राथमिकता है, जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत बन सकें और अपने परिवार के भरण-पोषण में सहयोग कर सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से करीब 85 महिलाओं को सिलाई मशीनें दी गईं। इस अवसर पर जीत सिंह, प्रवीन सिंह, विष्णु कुमार, युवराज भारद्वाज, गोविंदा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

गो ग्राम परखम में 10 अप्रैल से कलश यात्रा के साथ होगा शुभारंभ

श्रद्धालुओं को राम के आदर्श से जोड़ेगी श्री राम की कथा

गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा के लिए आयोजित बैठक में मौजूद मंचासीन पदाधिकारी।

श्रीराम कथा के लिए समिति गठित, देशभर के संत होंगे शामिल

गो ग्राम परखम में आयोजित होने वाली श्रीराम कथा के लिए एक भव्य समिति का गठन किया गया है। इसमें मथुरा, भरतपुर, आगरा, हाथरस, अलीगढ़, फिरोजाबाद, गाजियाबाद और नोएडा सहित कई जिलों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। मुख्य संरक्षक का दायित्व सतीश अवाना को सौंपा गया है, जबकि अध्यक्ष नारायण दास अग्रवाल बनाए गए हैं। उपाध्यक्ष सुरेश कौशिक और किशन चौधरी, कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक, मंत्री प्रमोद कसेरे तथा प्रचार मंत्री मनीष अग्रवाल नियुक्त किए गए हैं। कामधेनु गौशाला के मंत्री हरीशंकर ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी की कथा में देशभर के प्रमुख संत, महंत और अखाड़ों के पीठाधीश्वर शामिल होंगे। आयोजन की सफलता को लेकर बैठक में विस्तृत मंथन किया गया।

ब्रज में पहली बार महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी सुनाएंगे राम कथा, तैयारी को हुई बैठक

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम में अगले महीने आयोजित होने वाली राम कथा श्रद्धालुओं को श्री राम के आदर्शों से जोड़ेगी, हर प्रसंग श्रद्धालुओं में कथा के प्रति भाव पैदा करेगा। कथा आयोजन को लेकर रविवार को आयोजित बैठक में तैयारी पर चिंतन हुआ, व्यवस्था और दायित्व में सहभागिता निभाने पर मंथन हुआ। दोपहर को आयोजित बैठक में श्री राम कथा समिति के पदाधिकारियों और भाजपा के पदाधिकारी ने आयोजन की सफलता को मंथन किया। गो ग्राम परखम स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय गो अनुसंधान परिसर में 10 अप्रैल से आयोजित होने वाली श्री राम कथा को लेकर हुई बैठक में कामधेनु गोशाला के मंत्री हरीशंकर ने कहा कि आयोजन बहुत बड़ा है, क्षेत्र को आगे बढ़कर व्यवस्था और दायित्व को संभालना होगा। श्री राम कथा समिति के मुख्य संरक्षक सतीश अवाना ने कहा कि महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी की राम कथा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। इस भव्य आयोजन में सभी को सहभागिता निभानी होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे ने कहा कि हर काम को वरीयता से करना होगा। आगरा महानगर भाजपा अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता ने कहा कि इतने ही बड़े प्रकल्प को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर खड़ा होना होगा, गो माता तो हिंदू समाज के लिए अनुकरणीय है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनूप चौधरी ने कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि ऐसी दिव्य और नव्य श्री राम की कथा सुनने का सौभाग्य मिलेगा। समाजसेवी प्रमोद कसेरे ने सभी से आयोजन में सहभागिता निभाने की अपील करते हुए कहा कि यह कथा ब्रज में पहली बार हो रही है, इसलिए सभी को उत्साह दिखाना होगा। समिति के कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक ने कहा कि 10 अप्रैल से शुरू होने वाली यह कथा 16 अप्रैल तक चलेगी, 17 अप्रैल को प्रसादी भंडारा होगा। पांच हजार श्रोताओं के लिए विशाल पंडाल बनाया जा रहा है। समूचे क्षेत्र के लोगों को इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए आगे आना होगा। स्मारक निदेशक सोनपाल ने कहा कि सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारियों के अलावा क्षेत्र के लोगों को व्यवस्था, प्रबंधन और अन्य जरूरी दायित्वों में सहभागिता निभानी होगी, कार्यकर्ता भी इस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तत्पर रहेंगे। समिति के उपाध्यक्ष सुरेश कौशिक ने कहा कि आयोजन की सफलता को सभी को मिलकर काम करना होगा। बैठक में महीपाल सिंह, केके पचौरी, पारस ठाकुर, राज दर्शन पचौरी, हरीओम प्रधान, पोहप सिंह, भीकम चंद दुबे, केके शुक्ला, केके पचौरी, राजेंद्र शर्मा, गोरी आर्या समेत काफी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चामुंडा देवी मंदिर में भव्य माता की चौकी, उमड़ी श्रद्धा की भीड़

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज सेवा फाउंडेशन द्वारा प्रसिद्ध चामुंडा देवी मंदिर परिसर में माता की भव्य चौकी का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और माता रानी के भजनों व कीर्तन में भाव-विभोर होकर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम में बाहर से आए कलाकारों ने नंदी-शिव पार्वती, राधा-कृष्ण, अयोध्या के श्रीराम, पंचमुखी हनुमान और माता शेरावाली की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन सजीव प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम संयोजक सौरभ बंसल और सौरभ गोयल ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए हलवा-चना प्रसाद का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर आशीष गर्ग, किशोरी अग्रवाल, नीरज, चंद्र शेखर, तनु, राहुल बंसल, विशाल, इति, पवन, अभय गुप्ता, रश्मि, अमित, शिखा, हेमंत, अंकुर, ॠतु, अनूप, अनीषा, गौरव, विपुल, गुंजन, दुर्गेश, अभिषेक कसेरे, रोहित, श्वेता, तरुण, चैतन्य, रुद्राक्षी, पंकज, नेहा, योगिता और भावना सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ब्रजवासी मौजूद रहे।

गर्मी से पहले बिजली विभाग अलर्ट

82 विद्युत उपकेंद्रों पर मरम्मत तेज, क्षमता बढ़ाने की तैयारी

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में गर्मियों की दस्तक के साथ ही बिजली विभाग ने अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। गर्मी के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर मरम्मत और क्षमता वृद्धि के कार्य किए जा रहे हैं। अधिकारियों का दावा है कि इस बार उपभोक्ताओं को कम से कम बिजली कटौती का सामना करना पड़े, इसके लिए पहले से ही ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जिले में लगभग 82 छोटे–बड़े विद्युत उपकेंद्र (बिजली घर) संचालित हैं। इनमें से अधिकांश पर मरम्मत और रखरखाव का कार्य तेजी से चल रहा है। विभागीय टीमों द्वारा ट्रांसफार्मरों, लाइनों और अन्य उपकरणों की जांच कर आवश्यक सुधार किए जा रहे हैं, ताकि गर्मी के समय बढ़ने वाले लोड को आसानी से संभाला जा सके। विभाग के अनुसार जिले में करीब 4100 छोटे ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। इन सभी ट्रांसफार्मरों की मरम्मत और सर्विसिंग का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। जिन ट्रांसफार्मरों में तकनीकी खामियां पाई जा रही हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जा रहा है, ताकि किसी भी प्रकार की आकस्मिक खराबी से बचा जा सके। इसके अलावा अड़ींग, झरौठा और नंदगांव जैसे महत्वपूर्ण विद्युत उपकेंद्रों पर विशेष रूप से कार्य चल रहा है। इन उपकेंद्रों को मजबूत करने के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाए गए हैं, जिससे इन क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को और बेहतर बनाया जा सके। मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने जानकारी देते हुए बताया कि गर्मियों में बिजली की मांग को ध्यान में रखते हुए सभी प्रमुख स्टेशनों पर 5 एमवीए (मेगावोल्ट एम्पीयर) तक क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इससे बढ़ते लोड को संतुलित करने में मदद मिलेगी और उपभोक्ताओं को बिना रुकावट बिजली मिल सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में कुल 7 स्थानों पर अतिरिक्त क्षमता वृद्धि का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें से एक उपकेंद्र पर 10 एमवीए तक क्षमता बढ़ाने की योजना है, जो जिले के लिए एक बड़ी राहत साबित होगी। इस योजना के लागू होने के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था और अधिक मजबूत हो जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि गर्मियों के दौरान बिजली की खपत में काफी वृद्धि हो जाती है, खासकर कूलर, एसी और अन्य उपकरणों के अधिक उपयोग के कारण। ऐसे में यदि पहले से तैयारी न की जाए, तो ट्रिपिंग और फॉल्ट की समस्याएं बढ़ जाती हैं।

जिले के सभी ट्रांसफॉर्मरों की हो रही मरम्मत

अड़ींग, झरौठा व नंदगांव उपकेंद्रों पर विशेष कार्य जारी

मित्तल परिवार का सेवा संकल्प

15वें नेत्र शिविर में 983 मरीजों को मिली नई रोशनी

यूनिक समय, मथुरा। स्व. जगदीश कुमार मित्तल एवं श्रीमती सुमन मित्तल की पुण्य स्मृति में सेठ कन्हैयालाल धार्मिक ट्रस्ट व कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड के संयुक्त तत्वावधान में 15वें निःशुल्क नेत्र शिविर का भव्य समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ धनेश मित्तल, श्रुति मित्तल व परिवारजनों ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। शिविर में 983 मरीजों का परीक्षण हुआ, जिनमें से 101 के सफल ऑपरेशन डॉ. शैलेन्द्र चतुर्वेदी व उनकी टीम ने किए। सभी मरीजों को दवाइयां, चश्मे, भोजन व अन्य सुविधाएं निःशुल्क दी गईं। सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि संस्था का उद्देश्य हर जरूरतमंद को बेहतर नेत्र उपचार उपलब्ध कराना है। इस मौके पर राजेश मित्तल, नीता मित्तल, संदेश मित्तल, मुकेश अग्रवाल व निरूपम भार्गव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

डीडी प्लाजा मार्केट के व्यापारियों ने टैक्स जमा करने में दिखाया उत्साह

यूनिक समय, मथुरा। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025–26 की समाप्ति में अब मात्र दो दिन शेष रह गए हैं। महापौर एवं नगर आयुक्त, नगर निगम मथुरा–वृन्दावन के निर्देशानुसार भवन स्वामियों की सुविधा हेतु कर विभाग द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। इसी क्रम में आज मथुरा स्थित डीडी प्लाजा कंप्यूटर मार्केट में विशेष कर शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें व्यापारियों एवं दुकानदारों ने बढ़–चढ़कर भाग लेते हुए नगर निगम का बकाया गृहकर जमा किया। शिविर में व्यापारियों का उत्साह सराहनीय रहा। इस आयोजन में हर्षवर्धन मंगल की प्रमुख भूमिका रही। कर दाताओं की सुविधा के लिए नगर निगम के सभी जोनल कार्यालय 29 मार्च को सार्वजनिक अवकाश के बावजूद खुले रहे। कर जमा करने का समय प्रातः 10 बजे से सायं 6 बजे तक निर्धारित किया गया, जो सामान्य समय से एक घंटा अधिक है। अधिकारी एवं कर्मचारी अवकाश के दिन भी कार्यालयों में उपस्थित रहकर सेवाएं प्रदान करते रहे। इस अवसर पर अपर नगर आयुक्त (कर प्रभारी) अनिल कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। नगर निगम ने सभी भवन स्वामियों से अपील की है कि वे नजदीकी जोनल कार्यालय या ऑनलाइन माध्यम से शीघ्र गृहकर जमा करें।

अर्टिगा कार ने रिक्शे को जोरदार टक्कर मारी, चालक घायल

यूनिक समय, मथुरा। थाना नौहझील के बाजना रोड पर एक अर्टिगा कार ने रिक्शे को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। घायल को स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया है। रिक्शाचालक विधायक की शिलपट्टिका लगाने के लिए जा रहा था। वहीं नौहझील तिराहे पर एक बाइक ट्रक ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। नौहझील बाजना रोड पर आज प्रातः एक रिक्शे को बाजना की ओर से तेजगति से आती अर्टिगा कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद चालक मौके से कार को भगा ले गया। दुर्घटना को देख मौके पर पहुंचे लोगों ने घायल को उठा कर नौहझील के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। बताया गया कि थाना राया के गांव सोनी निवासी बनी सिंह ने बताया कि वह मांट के विधायक की शिला पट्टिका लगाने के लिए गांव जरैलिया जा रहा था। उसके साथ हादसा हो गया। इसी तरह नौहझील तिराहे पर आज प्रातः एक ट्रक ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। ट्रक की टक्कर से बाइक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि बाइक सवार को कोई खास चोट नहीं आई। दुर्घटना करने वाले ट्रक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। दुर्घटना होने की वजह स्थानीय लोगों ने वहां सवारियों को भरने के लिए सड़क पर खड़े होने वाले डग्गेमार टेंपों को बताया है।

ट्रक की चपेट में आई बाइक, सवार बचा

तीन दिन से लापता किशोरी का नहीं लगा सुराग

यूनिक समय, मथुरा। शहर की भीकचंद गली की रहने वाली एक नाबालिग किशोरी तीन दिन से लापता है। किशोरी के इस तरह अचानक लापता होने से परिवार के लोगों का बुरा हाल है। कोतवाली पुलिस भी बच्ची की तलाश कर रही है। बताया गया कि शहर की गली भीकंचद में रहने वाली एक 13 साल की बालिका गुरुवार को सायं करीब 4.30 बजे अपनी छोटी बहन से यह कहकर घर से गई थी कि अभी वो एक घंटे में वापस लौट आएगी। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं लग रहा है। बच्ची के ताऊ प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि बच्ची के पास 800 रुपये थे। उसके पास मोबाइल नहीं है। जिसके चलते उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। बच्ची की मां वृंदावन में रहती है। पिता का कुछ समय पहले देहांत हो चुका है। बच्ची को परिवार के लोगों ने सभी संभावित स्थानों पर तलाश किया। इसके साथ ही उसके संपर्क में रहने वालों से भी जानकारी की गई, लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। पुलिस भी उसकी लगातार तलाश कर रही है। पुलिस ने इस इलाके के सभी सीसी टीवी की फुटेज तलाश रही है।

घर से एक घंटे में लौटने की कह कर निकली थी

परिवार और पुलिस लगातार कर रहे तलाश

पथवारी माता मंदिर पर सजाया गया फूल बंगला

यूनिक समय, शेरगढ़। पथवारी माता मंदिर उझानी रोड शेरगढ़ पर सातवां विशाल भव्य फूल बंगला व भजन संध्या के साथ आयोजन किया गया। भक्ति भजनों से उपस्थित भक्तगण झूमने को मजबूर हो गए। कैलाश शर्मा एडवोकेट ने बताया कि इस मंदिर पर लगातार 7 वर्षों से फूल बंगला का आयोजन किया जा रहा है। इस दिन काफी संख्या मे भक्त अपनी मनोकामना करने आते हैं।

जीवन जीने की कला सिखाती है भागवत

फरह कस्बा में आयोजित भागवत कथा के दौरान निकाली गई कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

यूनिक समय, फरह। कस्बा में थाने के पीछे रविवार से श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। कथा शुभारंभ के मौके पर कलश यात्रा निकाली गई। सिर पर कलश धारण करने निकली महिलाओं के भाव से कस्बा में श्रद्धा और भक्ति का भाव बना। सात दिवसीय भागवत कथा का शुभारंभ सुबह कलश यात्रा के साथ हुआ। पीत वस्त्र धारण करके महिलाएं कलश के साथ कस्बा की गलियों में निकली तो वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालु लाखन सिंह भागवत को सिर पर धारण कर चले जबकि महिलाओं ने भजन गाए। शोभायात्रा के बाद महिलाओं ने कथा पंडाल में कलश स्थापित किए। पहले दिन कथा सुनते हुए आचार्य सूर्यकांत शास्त्री ने कहा कि भागवत कथा श्रवण से जीवन जीने की राह मिलती है। कथा कई जन्मों के पाप से मुक्ति दिलाती है। जिस स्थान पर कथा होती है, उस स्थान पर भगवान भी विराजमान होते हैं। इसलिए हमेशा भागवत कथा श्रवण करना चाहिए। इस मौके पर पंकज गोयल, लक्ष्मण पंडित, महीपाल सिंह, पप्पू, बृजेश तरकर, ओंकार सिंह मौजूद रहे।

कलश यात्रा में झलकी श्रद्धा और भक्ति

उपजिलाधिकारी ने बच्चों के साथ खाया मिड–डे मील

यूनिक समय, मथुरा। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी व ज्वाइंट मजिस्ट्रेट मजिस्ट्रेट अभिनव जे. जैन ने नगर क्षेत्र के कमला नेहरू कन्या प्राइमरी पाठशाला के निरीक्षण के दौरान छात्रों के साथ बैठकर मिड-डे मील खाया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को रिपोर्ट कार्ड व पुरस्कार वितरित किए। एसडीएम के हाथों पुरस्कार पा कर बच्चे उत्साहित दिखाई दिए। विद्यालय के आकस्मिक निरीक्षण पर आए उपजिलाधिकारी ने विद्यालय में शिक्षा के स्तर, कम्पोजिट ग्रांट उपभोग आदि की जांच की। उन्होंने छात्रों से उनकी रुचि को लेकर प्रश्न पूछे व नन्हे–मुन्ने बच्चों की जिज्ञासा शांत की। सत्रांत पर कक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। एसडीएम की सादगी व मिलनसार स्वभाव से विद्यालय के बच्चे भी उनसे घुल–मिल गए और काफी खुश हुए। विद्यालय की व्यवस्थाओं से प्रभावित एसडीएम ने प्रधानाध्यापक बलवीर सिंह व स्टाफ की सराहना की। निरीक्षण के दौरान सविता चतुर्वेदी, रश्मि शर्मा, किरन, शुचि व दिगम्बर समेत सभी विद्यालय स्टाफ उपस्थित मिला। प्रधानाध्यापक बलवीर सिंह ने बताया कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ने विद्यालयी व्यवस्थाओं व कक्षा की गतिविधियों, शिक्षकों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले शैक्षिक नवाचारों के विषय में जानकारी ली।

अभिनव जैन ने कमला नेहरू कन्या प्राथमिक पाठशाला का किया निरीक्षण, रिपोर्ट कार्ड भी वितरित किए

आईएएस अधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चे भी हुए उत्साहित

माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक: क्या ये हमारे शरीर के लिए खतरा बन रहे हैं?

नैनोप्लास्टिक से आंत-फेफड़े और विभिन्न अंग हो सकते हैं प्रभावित

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्लास्टिक अब केवल पर्यावरण की समस्या नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे मानव शरीर का हिस्सा बनता जा रहा है। हाल की कई स्टडीज में खून, फेफड़ों और यहां तक कि प्लेसेंटा में भी बेहद छोटे प्लास्टिक कण- माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक-पाए गए हैं। इससे यह सवाल उठता है कि ये कण कितने खतरनाक हैं और शरीर पर इनका क्या असर पड़ता है।

माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक के बीच मुख्य अंतर उनके आकार का है। माइक्रोप्लास्टिक 5 मिलीमीटर से छोटे होते हैं, जबकि नैनोप्लास्टिक उससे भी हजारों गुना छोटे होते हैं– इतने सूक्ष्म कि वे शरीर की कोशिकाओं के अंदर तक प्रवेश कर सकते हैं। यही कारण है कि नैनोप्लास्टिक को ज्यादा खतरनाक माना जाता है। नैनोप्लास्टिक शरीर की प्राकृतिक बाधाओं जैसे आंत और फेफड़ों को पार कर सीधे खून में पहुंच सकते हैं और फिर विभिन्न अंगों तक फैल जाते हैं। ये कण हवा, पानी, पैक्ड फूड, प्लास्टिक कंटेनर और सिंथेटिक कपड़ों के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं। एक बार अंदर पहुंचने के बाद ये कोशिकाओं में सूजन पैदा कर सकते हैं और सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं।

इन प्लास्टिक कणों के साथ हानिकारक रसायन जैसे बीपीए (बीपीए) भी शरीर में जा सकते हैं, जिससे खतरा और बढ़ जाता है।

रिसर्च के अनुसार, दिल, फेफड़े, दिमाग और प्रजनन तंत्र पर इनके नकारात्मक प्रभाव के संकेत मिले हैं। 2021 में प्रकाशित एक अध्ययन में पहली बार इंसानी प्लेसेंटा में माइक्रोप्लास्टिक पाए गए, जो एक गंभीर चेतावनी है। जहां बड़े प्लास्टिक कण शरीर से कुछ हद तक बाहर निकल सकते हैं, वहीं नैनोप्लास्टिक लंबे समय तक शरीर में बने रह सकते हैं। इससे स्वास्थ्य जोखिम बढ़ता है। बचाव के लिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करना, ताजा भोजन खाना और प्रदूषण से बचाव करना जरूरी है।

शरीर पर असर और बचाव के उपाय

ये कण हवा, पानी, पैक्ड फूड और प्लास्टिक कंटेनर के जरिए शरीर में प्रवेश करते हैं। शरीर के अंदर पहुंचकर ये कोशिकाओं में सूजन पैदा करते हैं और नुकसान पहुंचाते हैं। साथ ही, ये इढअ जैसे हानिकारक रसायनों को भी शरीर में ले जाते हैं, जिससे दिल, दिमाग, फेफड़ों और प्रजनन तंत्र पर असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, जहां बड़े कण शरीर से बाहर निकल सकते हैं, वहीं नैनोप्लास्टिक लंबे समय तक शरीर में बने रहते हैं। इससे बचने के लिए प्लास्टिक का कम इस्तेमाल, ताजा भोजन का सेवन और प्रदूषण से बचाव बेहद जरूरी है।

60 की उम्र में भी रहें फिट और जवान अपनाएं ये तीन आसान तरीके

यूनिक समय, नई दिल्ली। बढ़ती उम्र के साथ शरीर में कमजोरी आना सामान्य माना जाता है, लेकिन सही लाइफस्टाइल अपनाकर 60 की उम्र में भी खुद को हेल्दी और एक्टिव रखा जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ आसान आदतें अपनाकर बुढ़ापे के असर को धीमा किया जा सकता है।

सबसे पहला और जरूरी तरीका है नियमित व्यायाम। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं, जिसे सार्कोपेनिया कहा जाता है। इसे रोकने के लिए रोजाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज, वॉक या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग बेहद फायदेमंद होती है। हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की शारीरिक गतिविधि शरीर को मजबूत बनाए रखती है।

दूसरा अहम पहलू है संतुलित आहार। डाइट में प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन ऊ और ओमेगा-3 से भरपूर चीजें शामिल करें। दालें, पनीर, अंडे, मछली, अलसी और चिया सीड्स मांसपेशियों और दिल के लिए लाभकारी होते हैं। साथ ही, हरी सब्जियां और फल शरीर को जरूरी पोषण और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं। तीसरा जरूरी कारक है अच्छी नींद। रोजाना 7-8 घंटे की गहरी नींद शरीर की मरम्मत करती है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाती है। इन तीन आदतों को अपनाकर आप लंबे समय तक फिट, एक्टिव और जवान बने रह सकते हैं।

चावल के फरे: यूपी-बिहार की पारंपरिक स्वादिष्ट रेसिपी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोजमर्रा के खाने से कुछ अलग और हेल्दी ट्राई करना चाहते हैं, तो चावल के फरे एक बेहतरीन विकल्प हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार की यह पारंपरिक डिश दाल और चावल से बनती है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। इसका हल्का और देसी फ्लेवर इतना लाजवाब होता है कि कई बार पनीर की सब्जी भी इसके सामने फीकी लगती है।फरे बनाने के लिए सबसे पहले चना दाल और उड़द दाल को 5-6 घंटे भिगोकर रखें। फिर चावल के आटे को उबलते पानी, नमक और घी के साथ मिलाकर नरम आटा तैयार करें। भीगी हुई दाल को दरदरा पीसकर उसमें हरी मिर्च, अदरक, मसाले और नमक मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। अब आटे की छोटी लोइयां बनाकर उन्हें पूरी की तरह बेलें और बीच में दाल की स्टफिंग भरकर हल्के से मोड़ दें। इन्हें गुझिया की तरह पूरी तरह बंद नहीं करना है। इसके बाद सभी फरों को स्टीमर में अच्छी तरह पकाएं। पकने के बाद आप इन्हें ऐसे ही खा सकते हैं या हल्का सा तलकर भी परोस सकते हैं। यह डिश स्वाद, परंपरा और पोषण का शानदार मेल है।

बदबूदार सांस: छोटी समस्या नहीं, सेहत का संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह उठते ही मुँह का सूखना और सांस से बदबू आना अक्सर लोग हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यह शरीर के अंदर चल रही कई समस्याओं का संकेत हो सकता है। अगर यह समस्या रोज हो रही है, तो इसे नजरअंदाज करना सही नहीं है।

सबसे आम कारण है शरीर में पानी की कमी। जब आप पर्याप्त पानी नहीं पीते, तो लार का निर्माण कम हो जाता है, जिससे बैक्टीरिया बढ़ते हैं और बदबू पैदा होती है। इसके अलावा, अधूरी या खराब नींद भी इस समस्या को बढ़ा सकती है, क्योंकि इससे मुँह सूख जाता है। खराब पाचन भी बदबूदार सांस का बड़ा कारण हो सकता है। एसिड रिफ्लक्स, अनियमित खानपान और कमजोर मेटाबॉलिज्म से सांस की गंध प्रभावित होती है। साथ ही, ज्यादा तनाव लेने से भी लार कम बनती है और मुँह सूखने लगता है। कुछ दवाइयाँ जैसे एंटीहिस्टामाइन या ब्लड प्रेशर की दवाएं भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। वहीं, खराब ओरल हाइजीन–जैसे जीभ की सफाई न करना या फ्लॉसिंग न करना–भी बदबू का कारण बनता है। इससे बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं, संतुलित आहार लें, अच्छी नींद लें और रोजाना सही तरीके से मुँह की सफाई करें।

बालों को घना बनाने के लिए जरूरी विटामिन्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल बालों का झड़ना और धीमी ग्रोथ एक आम समस्या बन चुकी है, जिसका मुख्य कारण खराब डाइट और शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी है। अगर आप बालों को घना, मजबूत और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो सही विटामिन्स का सेवन बेहद जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण विटामिन है बायोटिन (विटामिन बी 7), जिसे "बालों का विटामिन" भी कहा जाता है। यह केराटिन के निर्माण में मदद करता है, जिससे बाल मजबूत होते हैं और उनका टूटना कम होता है। इसके अलावा, विटामिन ए स्कैल्प को हेल्दी रखने में मदद करता है और सीबम का उत्पादन बढ़ाता है, जिससे बालों को प्राकृतिक नमी मिलती है।

विटामिन सी भी बालों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करता है, बालों को नुकसान से बचाता है और कोलेजन के निर्माण में मदद करता है, जिससे बाल मजबूत होते हैं। साथ ही यह आयरन के अवशोषण को बढ़ाकर हेयर फॉल को कम करने में मदद करता है। वहीं, विटामिन डी बालों की जड़ों को मजबूत करता है और नए हेयर फॉलिकल्स के निर्माण में सहायक होता है। इसकी कमी से बाल झड़ने की समस्या बढ़ सकती है। इन विटामिन्स को संतुलित आहार के जरिए लेना बालों की अच्छी ग्रोथ के लिए बेहद जरूरी है।

हड्डियों को लोहा जैसा मजबूत बनाते हैं ये ड्राई फ्रूट्स

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल लोग कम उम्र में ही हड्डियों की कमजोरी की समस्या से जूझ रहे हैं। इसका मुख्य कारण है पोषक तत्वों से भरपूर आहार का अभाव। लेकिन कुछ ड्राई फ्रूट्स को अपनी डाइट में शामिल करके आप हड्डियों को मजबूत और स्वस्थ बना सकते हैं।

अखरोटः अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो हड्डियों में सूजन को कम करता है और उन्हें नुकसान से बचाता है। रोजाना अखरोट खाने से हड्डियों की मजबूती बढ़ती है। बादामः बादाम में कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है। मैग्नीशियम शरीर को कैल्शियम अवशोषित करने में मदद करता है, जिससे हड्डियों अंदर से मजबूत होती हैं। अंजीरः सूखे अंजीर में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है। रात में 2–3 अंजीर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खाने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और फ्रैक्चर का खतरा कम होता है। सूखे आलूबुखारेः रिसर्च के अनुसार सूखे आलूबुखारे हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए चमत्कारिक हैं। विशेष रूप से महिलाओं में उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों की कमजोरी को रोकने में मददगार हैं। इन ड्राई फ्रूट्स को नियमित रूप से खाने से हड्डियों लोहे जैसी मजबूत बन सकती हैं और उम्र बढ़ने के साथ होने वाली हड्डियों की कमजोरी को टाला जा सकता है। यदि चाहें, मैं इसे और आकर्षक तरीके से "हेल्थ टिप्स" स्टाइल में 180-200 शब्दों में ब्लॉग फॉर्मेट में भी बदल सकता हूँ। क्या मैं ऐसा कर दूँ?

असली बुद्धिमत्ता : तेज जवाब नहीं, गहरी सोच है असली पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्सर लोग बुद्धिमत्ता को तेज जवाब, शानदार भाषण या उच्च अकादमिक अंक से जोड़ते हैं। लेकिन हालिया शोध दिखाता है कि असली बुद्धिमत्ता उतनी चमकदार नहीं होती। मनोवैज्ञानिक एलिस बॉयस इसे "बौद्धिक रचनात्मकता" कहती हैं-यानी विचारों के साथ खेलने, उन्हें समझने और नए नजरिए से देखने की क्षमता। असली बुद्धिमान व्यक्ति जिज्ञासु होता है, विचारों का विश्लेषण करता है और दूसरों से सीखने के लिए तत्पर रहता है।

शोध में पाया गया है कि जो लोग किसी पुराने विचार पर लंबे समय तक मंथन करते हैं या दूसरों के नए आइडियाज से उत्साहित होते हैं, वे अधिक बुद्धिमान माने जाते हैं। यह समझना जरूरी है कि बुद्धिमत्ता केवल तेज प्रतिक्रियाओं या ज्ञान के प्रदर्शन में नहीं है, बल्कि विचारों की गहराई, उनकी समझ और उनका व्यावहारिक उपयोग करना ही असली बुद्धिमत्ता है। एलिस बॉयस के अनुसार, बुद्धिमान लोग किसी के आइडिया या सोचने के पैटर्न को जल्दी पकड़ लेते हैं। वे दिलचस्प उदाहरण सुनते ही उत्साहित हो जाते हैं और रचनात्मक व्यस्तता में रहते हैं। इसका मतलब यह है कि वे छोटी-छोटी बारीकियों और बड़े दार्शनिक सवालों के बीच सहजता से संतुलन बना सकते हैं। कभी किसी फाइल या डेटा पर सोचते हैं, तो अगले ही पल इंसान की सदियों पुरानी गलतियों पर मंथन कर सकते हैं। यही 'बौद्धिक रचनात्मकता' उन्हें दूसरों से अलग और असाधारण बनाती है। स्मार्ट व्यक्ति अपने दिमाग का उपयोग लगातार करता है। अक्सर लोग किसी विचार को सुनते ही भूल जाते हैं, लेकिन बुद्धिमान लोग अपने ध्यान को वहीं स्थिर रखते हैं। रेडियो पर सुनी बात, इंटरव्यू की छोटी जानकारी या ड्राइविंग के दौरान आई कोई नई बात उनके जेहन में लंबे समय तक रहती है। यह लगातार मंथन उन्हें जानकारी को गहराई से समझने और उसका विश्लेषण करने में मदद करता है। असली बुद्धिमान लोग केवल सोचते नहीं हैं, बल्कि अपने विचारों का परीक्षण भी करते हैं। वे चीजों को आजमाते हैं, बदलाव करते हैं और नए तरीके अपनाते हैं। चाहे वह काम का तरीका हो, किचन में खाना बनाने का तरीका, या किसी समस्या का हल, वे अपनी सोच को वास्तविकता की कसौटी पर कसते हैं। इस प्रक्रिया से उनके विचार अधिक व्यावहारिक और उपयोगी बनते हैं। बुद्धिमत्ता का एक बड़ा संकेत यह भी है कि व्यक्ति अपनी सोच पर लगातार विचार करता है और अपनी कमियों को पहचानता है। स्मार्ट लोग जानते हैं कि कब उनका अहंकार, पुरानी आदतें या अनुभव उनके फैसले प्रभावित कर रहे हैं। अपने ज्ञान और बुद्धिमत्ता को रुकावट न बनने देना एक दुर्लभ और विनम्र गुण है। यह उन्हें खुद के प्रति ईमानदार बनाता है और सीखने की प्रक्रिया को लगातार जारी रखता है।

सुधार की इच्छा

असली बुद्धिमान लोग हमेशा खुद को बेहतर बनाने की कोशिश में रहते हैं। वे पुरानी बातचीत और अनुभवों को दोहराते हैं, सोचते हैं कि बात कहने का और अधिक सटीक तरीका क्या हो सकता था। इस निरंतर सुधार की इच्छा उन्हें लगातार विकसित करती है और उनकी बुद्धिमत्ता को वास्तविक जीवन में प्रकट करती है।

सुविचार

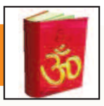

सोच बड़ी होगी तो रास्ते खुद बनेंगे।

कल का पंचांग

तिथि	द्वादशी	07:46-07:09 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मघा	2:37- 02:47 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:25 AM	चन्द्रोदय	04:21 PM
सूर्यास्त		6:37 PM	चंद्रास्त	05:07 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM		ब्रह्म् मुहूर्त	05:01-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:56 AM:09:28 AM		वार	**सोमवार**

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

भगवान शिव ने देवताओं के घमंड को किया चूर

शक्तिशाली देवताओं की शक्ति पर भारी पड़ा एक तिनका

यूनिक समय, मथुरा। देवताओं की शक्ति और विजय की कहानी तो आपने कई बार सुनी होगी, लेकिन एक ऐसी घटना भी है जहाँ एक छोटे से तिनके ने उनके अहंकार को चकनाचूर कर दिया। यह प्रसंग केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि विनम्रता और सच्चे ज्ञान का गहरा संदेश भी देता है।

कहानी की शुरुआत होती है समुद्र मंथन के बाद, जब देवताओं को अमृत की प्राप्ति हुई। इस विजय के बाद देवताओं–विशेषकर इंद्रदेव, अग्निदेव और वायुदेव–के मन में यह भावना घर करने लगी कि वे अजेय और सर्वशक्तिमान हैं। उन्हें लगने लगा कि असुरों पर जीत सिर्फ उनकी शक्ति का परिणाम है।

देवताओं के इस बढ़ते अहंकार को देखकर भगवान शिव ने उन्हें सबक सिखाने का निश्चय किया। उन्होंने एक रहस्यमय यक्ष का रूप धारण किया और देवताओं के सामने प्रकट हुए। यक्ष ने देवताओं से पूछा–"तुम किस बात पर इतना गर्व कर रहे हो?" देवताओं ने उत्तर दिया कि वे संसार के सबसे शक्तिशाली हैं और कोई भी कार्य कर सकते हैं।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

तब यक्ष ने एक छोटा सा तिनका उठाकर उनके सामने रखा और चुनौती दी–"यदि तुम इतने शक्तिशाली हो, तो इसे नष्ट करके दिखाओ।" सबसे पहले अग्निदेव आगे आए। उन्होंने पूरी शक्ति से उस तिनके को जलाने की कोशिश की, लेकिन तिनका जस का तस रहा। फिर वायुदेव ने अपनी गति और शक्ति से उसे उड़ाने का प्रयास किया, पर वह हिला तक नहीं। अंत में इंद्रदेव अपने वज्र के साथ आगे बढ़े, लेकिन वे भी उस तिनके को काट नहीं सके।

यह देखकर सभी देवता आश्चर्यचकित रह गए और उनका घमंड टूट गया। तभी वह यक्ष अचानक अदृश्य हो गया और आकाशवाणी हुई कि वह कोई और नहीं, स्वयं भगवान शिव थे।

इस घटना के बाद देवताओं को एहसास हुआ कि उनकी सारी शक्तियाँ ईश्वर की कृपा से ही हैं।

उन्होंने विनम्र होकर भगवान शिव से क्षमा मांगी। यही कारण है कि शिव के इस रूप को यक्षेश्वर अवतार कहा जाता है–एक ऐसा रूप जिसने एक छोटे से तिनके के माध्यम से अहंकार का अंत कर दिया। यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची शक्ति विनम्रता में है, अहंकार में नहीं।

काशी में आदि गुरु शंकराचार्य का टूटा ज्ञान का अहंकार

यूनिक समय, मथुरा। काशी की एक संकरी गली में घटी एक अद्भुत घटना ने महान दार्शनिक आदि गुरु शंकराचार्य के जीवन की दिशा ही बदल दी। यह प्रसंग न केवल आध्यात्मिकता का गहरा संदेश देता है, बल्कि ज्ञान और अहंकार के बीच की महीन रेखा को भी उजागर करता है। कहानी उस समय की है जब शंकराचार्य अद्वैत वेदांत के प्रख्यात आचार्य बन चुके थे। उनका सिद्धांत था कि हर जीव में एक ही परमात्मा का वास है। लेकिन इस ज्ञान के साथ उनके भीतर एक सूक्ष्म अहंकार भी जन्म ले चुका था। एक सुबह गंगा स्नान के बाद वे काशी विश्वनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। तभी उनके सामने एक चांडाल आ खड़ा हुआ–शरीर पर राख, गले में हड्डियों की माला और साथ में चार कुत्ते। उस समय की सामाजिक मान्यताओं के अनुसार यह दृश्य अशुद्ध माना जाता था। शंकराचार्य ने उसे हटने को कहा, लेकिन वह व्यक्ति शांत खड़ा रहा। उसने मुस्कुराकर पूछा–"आप किसे हटने को कह रहे हैं, इस शरीर को या उस आत्मा को जो सबमें समान है?" यह प्रश्न साधारण नहीं था, बल्कि शंकराचार्य के ज्ञान पर सीधा प्रहार था। उसने आगे कहा–"यदि हर जीव में एक ही परमात्मा है, तो गंगा के स्वच्छ जल और गंदे पानी में दिखने वाला सूर्य अलग कैसे हो गया?"यह सुनकर शंकराचार्य स्तब्ध रह गए। उसी क्षण उनका अहंकार टूट गया और उन्हें अपने ज्ञान की अधूरी अनुभूति का एहसास हुआ। वे तुरंत उस चांडाल के चरणों में झुक गए। तभी वह चांडाल रूप समाप्त हुआ और वहां स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए। उनके साथ मौजूद चार कुत्ते चारों वेदों का प्रतीक थे। यह रूप केवल एक शिक्षा देने के लिए था–कि परमात्मा न जाति से बंधा है, न रूप से। इस घटना के बाद शंकराचार्य ने "मणिषा पंचकम" की रचना की, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि सच्चा ज्ञानी वही है जो हर प्राणी में एक ही ब्रह्म को देखता है। यह कथा आज भी हमें याद दिलाती है–जहां जीवन है, वहीं शिव हैं।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 1 अप्रैल, दिन बुधवार: चैत्र पूर्णिमा
- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्र्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत

कल का राशिफल

मेष राशि के जातकों को कल अपने जीवनसाथी से जुड़ी कोई ऐसी बात पता चल सकती है, जिससे मन में तनाव बना रहेगा। स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी हावी रह सकता है।

वृषभ राशि के लिए दिन की शुरुआत सकारात्मक रहेगी। आत्मविश्वास के साथ आप अपने महत्वपूर्ण कार्य समय से पहले पूरा कर सकते हैं और सेहत भी सामान्य बनी रहेगी।

मिथुन राशि के लोगों को पारिवारिक मतभेदों का सामना करना पड़ सकता है। दिनभर मानसिक तनाव और कमजोरी महसूस हो सकती है, इसलिए अनावश्यक खर्च और बाहर जाने से बचें।

कर्क राशि के जातकों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। अकेले यात्रा करने से बचें और किसी भी काम में जल्दबाजी न करें, क्योंकि आर्थिक नुकसान या चोट की आशंका है।

सिंह राशि के लिए दिन थोड़ा कठिन रह सकता है। स्वभाव में कड़वाहट और आर्थिक कमजोरी परेशानी बढ़ा सकती है।

कन्या राशि वालों को संतान से जुड़े किसी फैसले के कारण चिंता हो सकती है, साथ ही अनावश्यक खर्च भी बढ़ सकता है।

तुला राशि के लिए निवेश के लिहाज से समय अनुकूल नहीं है, जबकि छोटी यात्राएं लाभदायक साबित हो सकती हैं।

वृश्चिक राशि के लोगों को परिवार का सहयोग मिलेगा और वे अपनी निजी जिंदगी में कोई बड़ा निर्णय ले सकते हैं।

धनु राशि के जातकों को विरोधियों से सावधान रहना होगा, हालांकि पुराने दोस्तों से मुलाकात खुशी दे सकती है।

मकर राशि के लिए पारिवारिक विवाद तनाव का कारण बन सकते हैं, इसलिए आर्थिक मामलों में सतर्कता जरूरी है।

कुंभ राशि के लिए कार्यक्षेत्र में सराहना मिलने के योग हैं और अटके काम पूरे हो सकते हैं।

मीन राशि के लिए दिन सबसे बेहतर नजर आ रहा है–सेहत अच्छी रहेगी, खर्च नियंत्रित रहेंगे और नए कार्यों में सफलता मिलेगी।

जूठा भोजन : शरीर, मन और ऊर्जा पर इसके प्रभाव को समझें

यूनिक समय, मथुरा। हमारी संस्कृति में भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि ऊर्जा, संस्कार और आध्यात्मिकता का माध्यम माना गया है। इसी कारण "जूठा भोजन" यानी किसी के द्वारा खाया हुआ बचा भोजन, हमेशा चर्चा और सावधानी का विषय रहा है। यह प्रश्न अक्सर उठता है कि क्या किसी का जूठा भोजन खाना सही है, और इसका हमारे जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

धार्मिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो जूठा भोजन सामान्यतः अशुद्ध माना गया है। मान्यता है कि हर व्यक्ति के भीतर एक विशेष ऊर्जा होती है, जो उसके स्पर्श और व्यवहार के माध्यम से वस्तुओं में स्थानांतरित हो सकती है। जब कोई व्यक्ति भोजन करता है, तो उसकी ऊर्जा भी उस भोजन के साथ जुड़ जाती है। ऐसे में किसी दूसरे का जूठा भोजन ग्रहण करने से उसकी ऊर्जा का प्रभाव हमारे शरीर और मन पर पड़ सकता है।

आध्यात्मिक मान्यताओं के अनुसार, भोजन केवल पोषण नहीं देता बल्कि हमारी मानसिक अवस्था को भी प्रभावित करता है। यदि किसी नकारात्मक सोच या अस्वच्छ आदतों वाले व्यक्ति का जूठा भोजन लिया जाए, तो उससे हमारे विचारों और भावनाओं पर भी असर पड़ सकता है। यही कारण है कि साफ, ताजा और सकारात्मक भाव से तैयार भोजन को ही ग्रहण करने की सलाह दी जाती है। हालांकि, स्वास्थ्य के नजरिए से भी जूठा भोजन नुकसानदेह हो सकता है। किसी के खाने के बाद बचा हुआ भोजन बैक्टीरिया और वायरस के संपर्क में आ सकता है, जिससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए स्वच्छता के लिहाज से भी जूठा भोजन खाने से बचना बेहतर माना जाता है।

फिर भी, कुछ विशेष संबंधों में इस नियम को अलग नजरिए से देखा गया है। जैसे पति–पत्नी के बीच जूठा भोजन साझा करना कई धार्मिक ग्रंथों में स्नेह, विश्वास और अपनत्व का प्रतीक माना गया है। यह संबंध की निकटता और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है, न कि अशुद्धता को। जूठा भोजन केवल एक परंपरा या अंधविश्वास का विषय नहीं, बल्कि इसके पीछे स्वास्थ्य, स्वच्छता और मानसिक प्रभाव जैसे व्यावहारिक कारण भी जुड़े हुए हैं। इसलिए बेहतर यही है कि हम ताजा, स्वच्छ और सकारात्मक ऊर्जा से युक्त भोजन को प्राथमिकता दें और अनावश्यक जोखिम से बचें।

सम्पादकीय

गो-सेस का खेल सड़कों पर भूखी गायें

'गो-सेवा' हमारे समाज में केवल एक नीतिगत विषय नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और भावनाओं से जुड़ा मुद्दा है। लेकिन जब यही आस्था सरकारी फाइलों में अटक जाए और 'सेवा' केवल 'सेस' तक सीमित रह जाए, तो सवाल उठना लाजिमी है- क्या हम सच में गायों की सेवा कर रहे हैं या सिर्फ आंकड़ों की?

हजारों करोड़ रुपये 'गो-सेस' के नाम पर वसूले गए। जनता ने भी बिना सवाल किए यह सोचकर योगदान दिया कि यह राशि सीधे गौवंश के संरक्षण और देखभाल में लगेगी। लेकिन जब वही पैसा सरकारी खजाने में आराम फरमाता रहे और दूसरी ओर गौशालाएं चारे के लिए तरसती रहें, तो यह स्थिति किसी व्यंग्य से कम नहीं लगती। यह कुछ वैसा ही है जैसे घर में अनाज भरा हो और रसोई में चूल्हा ठंडा पड़े। सरकार के पास संसाधन हैं, योजनाएं हैं, घोषणाएं हैं-बस जमीन पर उनका असर नहीं है। गायें सड़कों पर भटक रही हैं, दुर्घटनाओं का कारण बन रही हैं, और गौशाला संचालक कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं।

पवन गौतम
संपादक

लेकिन फाइलों में सब "प्रक्रियाधीन" है। प्रक्रिया भी बड़ी दिलचस्प चीज है-इतनी धीमी कि चारे का मौसम निकल जाए, लेकिन कागज आगे न बढ़े। गेहूं कटाई का समय चारा भंडारण के लिए सबसे उपयुक्त होता है, लेकिन अनुदान की फाइलें शायद मौसम विज्ञान से परिचित नहीं होतीं। नतीजा यह कि सस्ता चारा महंगे कर्ज में बदल जाता है, और "गो-सेवा" एक आर्थिक बोझ बन जाती है। विडंबना तो यहभी है कि यह पैसा शराब और स्टाम्प ड्यूटी जैसे स्त्रोतों से आता है। यानी एक तरफ राजस्व बढ़ाने के लिए हर संभव तरीका अपनाया जाता है, और दूसरी तरफ उसी राजस्व का एक हिस्सा 'गो-सेवा' के नाम पर अलग रखकर भी उसका सही उपयोग नहीं किया जाता। यह दोहरी नीति नहीं, बल्कि दोहरी विडंबना है। सरकार का तर्क है कि अनुदान चरणबद्ध तरीके से जारी हो रहा है। लेकिन सवाल यह है कि जब पैसा पहले से मौजूद है, तो यह "चरण" इतने लंबे क्यों हैं? क्या गायों को भी किस्तों में भूख लगती है? असल समस्या पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी है। जनता यह जानना चाहती है कि उसके द्वारा दिया गया पैसा कहां और कैसे खर्च हो रहा है। यदि 'गो-सेस' के नाम पर वसूली हो रही है, तो 'गो-सेवा' जमीन पर दिखनी भी चाहिए। आखिरकार, यह केवल गायों का मुद्दा नहीं है, बल्कि भरोसे का भी है। यदि हजारों करोड़ रुपये होने के बावजूद गायें भूखी हैं, तो यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि संवेदनहीनता का प्रतीक है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

ट्रंप की नीतियां और सड़कों पर गुस्सा

बोध प्रकाश सगुणी

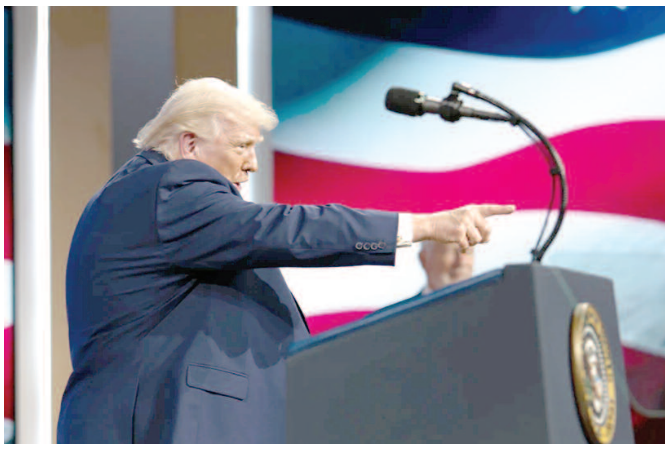

दुनिया का सबसे चर्चित लोकतंत्र इन दिनों एक दिलचस्प उलझन में है-जहां जनता "राजा नहीं चाहिए" के नारे लगा रही है, और सत्ता यह समझाने में जुटी है कि "यहां कोई राजा है ही नहीं।" लेकिन लोकतंत्र की असली खूबसूरती यही है कि यहां कल्पना भी विरोध का हथियार बन जाती है। और जब कल्पना "राजा" तक पहुंच जाए, तो समझिए कहानी में व्यंग्य का तड़का लग चुका है।

अमेरिका की सड़कों पर "नो किंग्स" के नारे गूंज रहे हैं। यह वही देश है जिसने कभी राजशाही के खिलाफ क्रांति करके अपनी पहचान बनाई थी। अब वही देश अपने ही चुने हुए नेता में "राजा" ढूंढ रहा है। यह दृश्य कुछ वैसा ही है जैसे कोई खुद ही घर बनाए और फिर उसी में भूत खोजने लगे।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में हैं डोनाल्ड ट्रंप-एक ऐसा नाम जो राजनीति से ज्यादा एक ब्रांड बन चुका है। उनके समर्थकों के लिए वे निर्णायक नेता हैं, और विरोधियों के लिए लोकतंत्र की परीक्षा। लेकिन सच यह है कि वे दोनों ही भूमिकाएं एक साथ निभा रहे हैं-जैसे कोई अभिनेता एक ही फिल्म में हीरो भी हो और विलेन भी।

"नो किंग्स" रैलियों की सबसे खास बात यह है कि ये विरोध कम और एक प्रतीकात्मक नाटक ज्यादा लगती हैं। प्रदर्शनकारी झंडा उल्टा पकड़ते हैं, नारे लगाते हैं, और यह जताते हैं कि देश संकट में है। लेकिन यह संकट असल में है या सिर्फ महसूस किया जा रहा है-यह सवाल खुला हुआ है।

झंडा उल्टा पकड़ना एक पुराना संकेत है कि देश खतरे में है। लेकिन आज के दौर में यह संकेत भी एक तरह का "विजुअल कंटेंट" बन गया है। कैमरे के सामने झंडा जितना ज्यादा नाटकीय लगेगा, सोशल मीडिया पर उतना ही ज्यादा वायरल होगा। यानी देशभक्ति अब भावनाओं के साथ-साथ एंगल और फ्रेमिंग पर भी निर्भर करती है।

इन प्रदर्शनों का केंद्र बना मिनेसोटा। सेंट पॉल की सड़कों पर उमड़ी भीड़ सिर्फ संख्या नहीं थी, बल्कि एक संदेश भी थी-कि असहमति अब लोकल नहीं, ग्लोबल हो चुकी है। यहां लोग सिर्फ अपनी सरकार से नहीं, बल्कि उस सोच से लड़ रहे हैं जो उन्हें "राजा" की याद दिलाती है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि हर पक्ष अपनी-अपनी कहानी सुना रहा है। सरकार कहती है-यह सब एक साजिश है। विरोधी कहते हैं-यह जनता की आवाज है। और जनता? वह दोनों के बीच खड़ी है, यह तय करने की कोशिश में कि वह वास्तव में नाराज़ है या सिर्फ नाराज़ दिख रही है। व्हाइट हाउस ने इन रैलियों को वामपंथी संगठनों की साजिश बताया है। यह बयान अपने आप में एक दिलचस्प व्यंग्य है-क्योंकि लोकतंत्र में हर विरोध को साजिश और हर समर्थन को जनादेश मानने की परंपरा धीरे-धीरे मजबूत होती जा रही है।

अगर कोई सरकार के पक्ष में खड़ा है, तो वह "देशभक्त" है। अगर कोई विरोध में खड़ा है, तो वह "एजेंडा" है। इस सरल समीकरण ने जटिल बहसों को आसान बना दिया है-इतना आसान कि अब बहस की जरूरत ही नहीं पड़ती।

रैलियों में शामिल लोगों की संख्या भी अपने आप में एक कहानी है। लाखों लोग सड़कों पर उतरते हैं, और हर बार संख्या बढ़ती जाती है। लेकिन यह तय करना मुश्किल है कि यह बढ़ती संख्या असंतोष का संकेत है या आयोजन की क्षमता का। आज के दौर में भीड़ जुटाना भी एक तरह की कला बन चुकी है-जहां मैसेज से ज्यादा मैनेजमेंट काम आता है। बसों की व्यवस्था, सोशल मीडिया कैंपेन, और इन्फ्लुएंसर पोस्ट-सब मिलकर एक ऐसा माहौल बनाते हैं, जहां विरोध भी एक "इवेंट" बन जाता है।

यह आंदोलन अब अमेरिका की सीमाओं से बाहर भी निकल चुका है। ब्रिटेन और इटली जैसे देशों में भी इसकी गूंज सुनाई दे रही है। वहां इसे "नो टाइरेंट्स" कहा जा रहा है-यानि "कोई तानाशाह नहीं"।

यह वैश्विक विस्तार अपने आप में एक दिलचस्प संकेत है। ऐसा लगता है जैसे दुनिया भर की जनता एक साझा भावना से जुड़ रही है-सत्ता पर सवाल उठाने की भावना। फर्क सिर्फ इतना है कि हर देश में "राजा" की परिभाषा अलग है। कहीं यह असली सत्ता है,कहीं यह सिर्फ एक प्रतीक है, और कहीं यह सिर्फ एक डर है-जो शायद कभी सच न हो, लेकिन महसूस जरूर होता है।

इस पूरे विवाद की जड़ में है ईरान को लेकर बनाई गई अमेरिकी नीति। युद्ध की आशंका ने लोगों को सड़कों पर ला दिया है। लेकिन यहां भी व्यंग्य छुपा है। जब सरकार सख्ती दिखाती है, तो उसे आक्रामक कहा जाता है। जब संयम दिखाती है, तो उसे कमजोर कहा जाता है। यानी सरकार के पास एक ही विकल्प है-आलोचना।

सोशल मीडिया ने इस पूरे आंदोलन को एक नया आयाम दे दिया है। अब विरोध सिर्फ सड़कों पर नहीं, बल्कि स्क्रीन पर भी होता है। हैशटैग ट्रेंड करते हैं, वीडियो वायरल होते हैं, और हर कोई अपने-अपने तरीके से "क्रांति" में भाग लेता है। लेकिन इस डिजिटल क्रांति की भी अपनी सीमाएं हैं। यह तेज है, लेकिन गहरा नहीं। यह व्यापक है, लेकिन स्थायी नहीं। कई बार ऐसा लगता है कि लोग बदलाव से ज्यादा "भागीदारी" दिखाने में रुचि रखते हैं। यानी विरोध एक अनुभव बन गया है-कुछ वैसा ही जैसे किसी फेस्टिवल में जाना। लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यहां असहमति की जगह है। लेकिन जब असहमति ही मुख्य आकर्षण बन जाए, तो सवाल उठता है-क्या हम मुद्दों पर बात कर रहे हैं, या सिर्फ माहौल बना रहे हैं?

"नो किंग्स" एक शक्तिशाली नारा है। लेकिन हर शक्तिशाली नारे की तरह इसका भी खतरा है-कि यह धीरे-धीरे अपनी गहराई खोकर एक ट्रेंड बन जाए। आज हर कोई "राजा" के खिलाफ है, लेकिन यह तय करना मुश्किल है कि वह किस राजा की बात कर रहा है। कोई व्यक्ति की बात कर रहा है, कोई नीति की,और कोई सिर्फ भावना की। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दिलचस्प किरदार है जनता। वह विरोध भी कर रही है, और तमाशा भी देख रही है। वह सवाल भी पूछ रही है, और जवाबों से भी बच रही है।

यह स्थिति कुछ वैसी ही है जैसे कोई फिल्म देखता हुआ दर्शक-जो स्क्रीन पर हो रहे ड्रामे से प्रभावित भी होता है, और यह भी जानता है कि यह एक स्क्रिप्ट है।

अंत में, यह पूरा मामला "राजा" के अस्तित्व का नहीं, बल्कि उसकी कल्पना का है। लोकतंत्र में असली खतरा तानाशाही से नहीं, बल्कि उस डर से होता है जो तानाशाही की कल्पना से पैदा होता है। यह कहानी सिर्फ एक नेता की नहीं है, बल्कि उस सोच की है जो हर मजबूत नेतृत्व में "राजा" देखने लगती है, और हर विरोध में "क्रांति"। लोकतंत्र में ताज सिर पर नहीं होता-वह भरोसे में होता है। और जब भरोसा डगमगाता है, तो नारे जन्म लेते हैं। "नो किंग्स" भी ऐसा ही एक नारा है-जो शायद कुछ समय बाद इतिहास बन जाएगा, लेकिन अभी के लिए यह एक सवाल है, एक व्यंग्य है, और एक आईना है। और इस आईने में झांककर हर किसी को खुद से एक सवाल पूछना चाहिए- क्या हमें सच में राजा से डर है,या हम सिर्फ डर को नाम दे रहे हैं?

विचार विण्डो

बढ़ती आबादी से विकास की गति धीमी

राम कुमार अग्रवाल

भारत आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ विकास और जनसंख्या के बीच सीधी टक्कर दिखाई देती है। एक तरफ देश आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ बढ़ती जनसंख्या उस प्रगति की रफ्तार को धीमा करती नजर आती है। सवाल यह नहीं है कि जनसंख्या बढ़ रही है- सवाल यह है कि क्या हम इस बढ़ती आबादी को संभालने के लिए तैयार हैं? आज सरकारी स्कूलों की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। एक कक्षा में 60 से 70 बच्चे बैठे होते हैं, जहाँ शिक्षक चाहकर भी हर छात्र पर ध्यान नहीं दे पाता। नतीजा यह होता है कि शिक्षा का स्तर गिरता जाता है। यही हाल सरकारी अस्पतालों का है, जहाँ डॉक्टरों के पास मरीजों की लंबी कतार होती है और एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट का समय मिल पाता है। यह स्थिति किसी एक शहर या राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश की सच्चाई बन चुकी है। जब आबादी तेजी से बढ़ती है और संसाधन उसी गति से नहीं बढ़ पाते, तो सबसे पहले असर जीवन स्तर पर पड़ता है। गरीबी और भुखमरी बढ़ती है। यदि एक परिवार में कमाने वाला एक हो और खाने वाले कई, तो आर्थिक संकट स्वाभाविक है। यही स्थिति देश के स्तर पर भी लागू होती है। उत्पादन बढ़ने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है, क्योंकि उसे अधिक लोगों में बाँटना पड़ता है। बेरोजगारी इस समस्या का दूसरा बड़ा पहलू है। हर साल लाखों युवा शिक्षा पूरी करके रोजगार की तलाश में निकलते हैं, लेकिन रोजगार के अवसर उतनी तेजी से नहीं बढ़ते। एक-एक सरकारी नौकरी के लिए लाखों आवेदन आते हैं। यह प्रतिस्पर्धा युवाओं में निराशा और असंतोष को जन्म देती है, जो आगे चलकर सामाजिक अस्थिरता का कारण बन सकती है। पर्यावरण पर बढ़ती जनसंख्या का प्रभाव और भी गंभीर है। अधिक लोग यानी अधिक संसाधनों की मांग-जमीन, पानी, ऊर्जा सब पर दबाव बढ़ता है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और भूजल स्तर का गिरना-ये सभी समस्याएँ इसी असंतुलन का परिणाम हैं। यदि यही

स्थिति बनी रही, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा और पानी भी उपलब्ध कराना एक चुनौती बन जाएगा। शहरीकरण भी जनसंख्या वृद्धि से सीधे जुड़ा हुआ है। शहरों में जगह कम पड़ रही है। महानगरों में झुग्गी-झोपड़ियों का विस्तार हो रहा है, जहाँ लोग अत्यंत अस्वच्छ और तंग परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या-ये सभी समस्याएँ बढ़ती आबादी का परिणाम हैं। शहरों की बुनियादी संरचना इतनी बड़ी आबादी को संभालने में असमर्थ होती जा रही है। इन सभी समस्याओं के पीछे सिर्फ एक कारण नहीं है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सोच भी जिम्मेदार है। हमारे समाज में कई ऐसी मान्यताएँ प्रचलित हैं, जो अधिक संतान पैदा करने को प्रोत्साहित करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है-संतान से मोक्ष की धारणा। यह मान्यता लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करती है, विशेषकर पुत्र की चाह में।

लेकिन यदि हम धार्मिक दृष्टिकोण से देखें, तो मोक्ष का संबंध कर्म, ज्ञान और भक्ति से है, न कि संतान की संख्या से। इतिहास में अनेक ऐसे महापुरुष हुए हैं जिन्होंने संतान उत्पन्न नहीं की, फिर भी उन्हें उच्च स्थान प्राप्त हुआ। इससे स्पष्ट है कि यह धारणा तर्कसंगत नहीं है। इसी तरह, बेटा होने की अनिवार्यता भी एक बड़ी सामाजिक समस्या है। आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में अपनी क्षमता सिद्ध कर रही हैं। वे परिवार का सहारा भी बन रही हैं और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। इसके बावजूद यदि लोग बेटे की चाह में अधिक बच्चे पैदा करते हैं, तो यह न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि उन बच्चों के भविष्य के साथ भी अन्याय है। एक और भ्रांति यह है कि ज्यादा बच्चे बुढ़ापे का सहारा बनेंगे। लेकिन वर्तमान समाज इस सोच को गलत साबित करता है। आज ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहाँ कई बच्चों के बावजूद बुजुर्ग अकेले जीवन जीने को मजबूर हैं। इसके विपरीत, कम बच्चे होने पर यदि उन्हें अच्छी शिक्षा और संस्कार दिए जाएँ, तो वे अधिक जिम्मेदारी से अपने माता-पिता का सहारा बनते हैं।

कुछ लोग यह भी मानते हैं कि परिवार नियोजन ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। लेकिन यह विचार भी तर्कहीन है। ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धि दी है ताकि वह सही निर्णय ले सके। यदि कोई व्यक्ति अपनी सीमाओं को जानते हुए भी अधिक बच्चे पैदा करता है और उनकी उचित देखभाल नहीं कर पाता, तो यह जिम्मेदारी से भागना है, न कि धर्म का पालन करना। स्वास्थ्य से जुड़ी भ्रांतियाँ भी जनसंख्या नियंत्रण में बाधा बनती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह धारणा प्रचलित है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपाय शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जबकि चिकित्सा विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि ये सभी उपाय सुरक्षित हैं। इसके विपरीत, बार-बार गर्भधारण महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डालता है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए सबसे जरूरी है जागरूकता। शिक्षा, विशेषकर महिलाओं की शिक्षा, इस दिशा में सबसे प्रभावी उपाय है। जब महिलाएँ शिक्षित और आत्मनिर्भर होती हैं, तो वे अपने परिवार और भविष्य के बारे में बेहतर निर्णय ले पाती हैं। इसके साथ ही परिवार नियोजन के साधनों को आसानी से उपलब्ध कराना और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना भी आवश्यक है।

सरकार और समाज दोनों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और सामाजिक सोच में बदलाव-ये सभी कदम मिलकर ही इस समस्या का समाधान कर सकते हैं। अंततः, यह समझना जरूरी है कि जनसंख्या केवल संख्या नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी भी है। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को बेहतर जीवन देना चाहते हैं, तो हमें आज ही सही निर्णय लेने होंगे। छोटा परिवार केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है-एक ऐसा कदम जो न केवल परिवार, बल्कि पूरे देश के भविष्य को सुरक्षित बना सकता है।

विराट कोहली बने एशिया के 'किंग'

कोहली ने तोड़ा शोएब मलिक का रिकार्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 69 रन की पारी खेलते हुए कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। इस पारी के साथ ही विराट कोहली टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज बन गए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने पाकिस्तान के दिग्गज शोएब मलिक का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

इस मैच से पहले विराट टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे एशियाई बल्लेबाज थे। लेकिन हैदराबाद के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने केवल 29 रन बनाकर शोएब मलिक को पीछे छोड़ दिया। शोएब मलिक ने अपने टी20 करियर में 13,571 रन बनाए थे, जबकि विराट कोहली ने इस मैच से पहले 13,543 रन बनाए थे। अब विराट ने इस फॉर्मेट में कुल 13,612 रन बना लिए हैं। इस तरह शोएब मलिक अब दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। विराट कोहली अब टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर वेस्ट इंडीज के क्रिस गेल हैं, जिनके नाम 14,562 रन हैं। इसके बाद कायरन पोलार्ड (14,482), एलेक्स हेल्स (14,449), डेविड वॉर्नर (14,063) और जोस बटलर (13,845) हैं। विराट कोहली अभी भी टॉप-5 में शामिल होने की रफ्तार पर हैं। इस मैच में उन्होंने 38 गेंदों में 5 चौके और 5 छक्कों की मदद से 69 रन बनाए, उनका स्ट्राइक रेट 181.58 रहा।

विराट कोहली ने इस मैच के दौरान आईपीएल में सबसे ज्यादा 50 प्लस रनों की पारी जीत में जोड़ने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। उन्होंने अब 42 बार 50 से अधिक रन बनाए हैं, जबकि डेविड वॉर्नर ने यह कमाल 41 बार किया था। वॉर्नर ने यह रिकॉर्ड 79 पारियों में बनाया था, वहीं विराट कोहली ने केवल 126 पारियों में इसे हासिल किया। विराट कोहली की यह उपलब्धि उन्हें एशिया और विश्व क्रिकेट में टी20 के महान बल्लेबाजों में शामिल कर देती है।

हेनरिक क्लासेन के कैच पर विवाद

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के ओपनिंग मैच में हेनरिक क्लासेन के बाउंड्री पर पकड़े गए कैच ने खूब सुर्खियां बटोरी। फिल साल्ट ने बाउंड्री के पास शानदार कैच पकड़ा, लेकिन कैच पकड़ते समय वे बाउंड्री रोप के काफी करीब थे। ऑन–फील्ड अंपायर तुरंत फैसला नहीं दे पाए और थर्ड अंपायर के पास रेफर किया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि साल्ट ने बाउंड्री रोप को छुआ या नहीं, यह साफ नहीं था। इसके बावजूद क्लासेन को आउट करार दिया गया, जिससे मैच के दौरान विवाद खड़ा हो गया। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इस फैसले पर सवाल उठाए। उन्होंने (पूर्व ट्विटर) पर लिखा कि उन्हें लगता है कि साल्ट का पैर बाउंड्री स्पंज को छू सकता था और यह निर्णय आरसीबी के लिए बड़ा था। वॉन ने कहा कि यह सुनिश्चित करना मुश्किल है कि स्पंज नहीं हिला और पैर ने उसे नहीं छुआ। इस मैच में आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद को 15.4 ओवर में 202 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए हराया। विराट कोहली 69 रन नाबाद रहे, जबकि देवदत्त पडिक्क्वल ने 26 गेंदों में 61 रन की तूफानी पारी खेली। गेंदबाजी में डफी ने 3 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। क्लासेन के कैच का विवाद मैच की रोमांचकता में और इजाफा कर गया।

बेन स्टोक्स क्रिकेट से दो महीने दूर रहेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स अगले दो महीने क्रिकेट से दूर रहेंगे। डरहम के हेड कोच रयान कैंपबेल ने इसकी पुष्टि की। स्टोक्स हाल ही में नेट्स सेशन के दौरान गंभीर चोट का शिकार हुए थे, जब एक खिलाड़ी की गेंद उनके चेहरे पर लगी और गाल की हड्डी टूट गई। फरवरी में उनकी सर्जरी हुई थी, जिसके कारण वे डरहम के काउंटी सीजन के शुरुआती मैचों में उपलब्ध नहीं होंगे।

स्टोक्स को अभी तक खेलने के लिए फिटनेस टेस्ट में पास होने का सर्टिफिकेट नहीं मिला है। डरहम के हेड कोच ने बताया कि स्टोक्स शायद 8 मई से वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ मैच से पहले नहीं खेल पाएंगे। अगर गेंद थोड़ी अलग दिशा में लगती और उनकी आंख पर लगती, तो परिणाम गंभीर हो सकता था।

स्टोक्स ने जनवरी 2025 में एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट के बाद कोई मैच नहीं खेला। एशेज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 4-1 से हराया था। गाल की हड्डी की चोट के बाद स्टोक्स मई में डरहम के लिए केवल दो मैच खेल सकते हैं। इसके बाद जून में इंग्लैंड की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी। अगस्त में स्टोक्स पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों में भी हिस्सा ले सकते हैं, यदि वे समय तक फिट हो जाते हैं। स्टोक्स की यह चोट इंग्लैंड टीम के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि उनका अनुभव और नेतृत्व टीम के प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाते हैं। डरहम को शुरुआती मैचों में उनके बिना रणनीति बदलनी पड़ सकती है, और स्टोक्स की वापसी तक टीम को अन्य खिलाड़ियों पर भरोसा करना होगा।

अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन का खिताब जीता

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी

अरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मियामी ओपन का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में उन्होंने कोको गॉफ को 6–2, 4–6, 6–3 से हराया और लगातार दूसरा मियामी ओपन खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ सबालेंका ने 'सनशाइन डबल' भी पूरा किया, यानी इंडियन वेल्स और मियामी ओपन दोनों खिताब एक ही सीजन में जीते। यह सबालेंका का 24वां डब्ल्यूटीए एकल खिताब और कुल 30वां टाइटल है, जिसमें छह युगल खिताब भी शामिल हैं। उन्होंने अब तक विश्व नंबर एक खिलाड़ी के रूप में 83 हफ्ते बिताए हैं और लगातार 76वें हफ्ते के लिए नंबर एक बनी रहेंगी। इस जीत से उन्होंने इगा स्वियातेक के सबसे लंबे नंबर एक रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा, हालांकि एश्ले बार्टी अभी भी सबसे लंबे समय तक नंबर एक रही हैं। सबालेंका ने कहा कि यह खिताब उनके लिए बेहद खास है और उनका लक्ष्य हमेशा इतिहास में अपना नाम दर्ज कराना रहा है।

रणवीर–संजय ने मुंबई पार्टी में मचाया धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'धुरंधरः द रिवेंज 2' की सफलता के जश्न के बीच रणवीर सिंह और संजय दत्त को मुंबई में बिजनेसमैन मोहित कंबोज की बेटी मिशका कंबोज के जन्मदिन पार्टी में देखा गया। इस हाई-प्रोफाइल इवेंट में दोनों स्टार्स ने सिर्फ उपस्थिति ही नहीं दिखाई, बल्कि अपनी जोड़ी और एनर्जी से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

पार्टी का सबसे मजेदार पल तब आया जब रणवीर और संजय ने फिल्म के हिट गाने 'आरी आरी' पर जमकर डांस किया। रणवीर ने माइक हाथ में लेकर ऊंच पर बज रहे गाने पर लिप-सिंक किया और मंच पर उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। वहीं, संजय दत्त भी इस पल का आनंद लेते हुए दिखाई दिए। पार्टी में रणवीर का कूल कैजुअल लुक और संजय का पारंपरिक कुर्ता सभी का ध्यान खींच रहा था।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में रणवीर और संजय के साथ हमजा अली मजारी और असलम भी 'आरी आरी' गाने पर थिरकते हुए नजर आए। इस वीडियो ने फैंस को खूब पसंद आया और दोनों स्टार्स की बॉन्डिंग और एनर्जी को लेकर सोशल मीडिया पर लोग तारीफ कर रहे हैं। फैंस ने दोनों की दोस्ती और तालमेल की भी तारीफ की। एक यूजर ने लिखा, "रणवीर और संजय का जबरदस्त डांस बहुत ही शानदार है।" वहीं दूसरे ने कहा, "हमजा अली मजारी और असलम ने कमाल कर दिया।" इस इवेंट ने यह साबित कर दिया कि फिल्म की सफलता के जश्न में दोनों सितारे अपनी एनर्जी और मस्ती से सभी का मनोरंजन कर सकते हैं। इस तरह रणवीर सिंह और संजय दत्त ने 'धुरंधर 2' की सफलता का जश्न शानदार अंदाज में मनाया और सोशल मीडिया पर अपनी मस्ती का मजा फैंस के साथ साझा किया।

ओटीटी पर धमाल मचाती क्राइम थ्रिलर 'काट्टान'

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर क्राइम थ्रिलर सीरीज का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है और इस लिस्ट में विजय सेतुपति की नई वेब सीरीज 'काट्टान' ने तहलका मचा दिया है। यह सीरीज 27 मार्च को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई और दर्शकों का ध्यान हर एपिसोड में बने सस्पेंस ने खींचा।

'काट्टान' की कहानी विजय सेतुपति के किरदार मुथु के इर्द-गिर्द घूमती है। मुथु को कुछ लोग हीरो मानते हैं, तो कुछ राक्षस और कुछ चमत्कार। कहानी की शुरुआत होती है, जब तमिलनाडु के एक पुलिस स्टेशन के पास एक कटा हुआ सिर मिलता है। इसके बाद हर एपिसोड में रोमांचक ट्विस्ट और सस्पेंस के ऐसे मोड़ आते हैं कि दर्शक अगला एपिसोड देखने के लिए बेताब हो जाते हैं। सीरीज को एम मणिकंदन और बी अजितकुमार ने डायरेक्ट किया है। इसमें विजय सेतुपति के अलावा मिलिंद सोमन, सुदेव नायर, कलैवानी भास्कर, मुथुकुमार, वीजे पार्वती, रिशा जैकब्स मोनिका और वडिवेल मुरुगन भी हैं। कुल 10 एपिसोड वाली यह थ्रिलर वेब सीरीज आईएमबीडी पर 8.3 रेटिंग के साथ दर्शकों की पसंद बन चुकी है। हर एपिसोड का सस्पेंस और कहानी की गहराई इसे ओटीटी पर टॉप ट्रेंडिंग सीरीज बनाती है। अगर आप घर पर बैठे मनोरंजन के लिए कोई धांसू क्राइम थ्रिलर देखना चाहते हैं, तो 'काट्टान' आपके लिए बेस्ट विकल्प है।

अक्षय खन्ना तेलुगु फिल्म 'महाकाली' में करेंगे डेब्यू

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय खन्ना अपने करियर में नए अध्याय की ओर बढ़ते हुए साउथ फिल्म 'महाकाली' से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में वे हिंदू पौराणिक कथा के प्रसिद्ध असुर गुरु शुक्राचार्य का किरदार निभाएंगे। 28 मार्च को अक्षय के जन्मदिन पर फिल्म निर्माता प्रशांत वर्मा ने सेट से एक खास बीटीएस तस्वीर शेयर की, जिसमें अक्षय खन्ना शुक्राचार्य के रूप में नजर आए। तस्वीर के साथ प्रशांत ने लिखा कि अक्षय खन्ना सच्चे अभिनेता हैं और असली प्रतिभा को शोर-शराबे की जरूरत नहीं होती। उन्होंने अक्षय के सहज अभिनय और उपस्थिति की तारीफ करते हुए कहा कि उनके साथ काम करना सम्मान की बात है। प्रशांत ने बताया कि जल्द ही दर्शकों को फिल्म के रोमांचक अनुभव से परिचित कराया जाएगा। 'महाकाली' का निर्देशन पूजा अपर्णा कोल्लुरु कर रही हैं। यह फिल्म प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है, जिसमें पहले 2024 में 'हनुमान' फिल्म रिलीज हुई थी। फिल्म में मुख्य महिला सुपरहीरो की भूमिका भूमि शेट्टी निभा रही हैं।

फिल्म का रिलीज डेट 15 मई 2026 तय किया गया है। अक्षय खन्ना इसके अलावा सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा की फिल्म 'इक्का' में भी नजर आएंगे। इसमें वे मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में सनी देओल, दीया मिर्जा, तिलोत्तमा सोम और संजीदा शेख भी हैं और यह फिल्म सीधे नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अक्षय खन्ना की ये नई फिल्में उनके अभिनय की विविधता और पैन-इंडियन फिल्म उद्योग में उनकी उपस्थिति को और मजबूत करेंगी।

समीरा रेड्डी ने शेयर की फराह खान के साथ थ्रोबैक तस्वीर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर अपनी पहली फिल्मी गाने की शूटिंग की पुरानी तस्वीर शेयर की। यह तस्वीर 2002 की फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' के गाने 'थोड़ा सा प्यार हुआ है' के दौरान की है। इस गाने को उदित नारायण और अलका याग्निक ने गाया था और यह समीरा रेड्डी और सोहेल खान पर फिल्माया गया।

समीरा ने इंस्टाग्राम स्टोरी में इस तस्वीर के साथ लिखा, "मिस्त्र में मेरा पहला फिल्मी गाना। फराह हम दोनों बच्चे जैसे दिख रहे हैं।" कोरियोग्राफर फराह खान ने भी इसे शेयर करते हुए लिखा, "तुम तब बच्ची थी समीरा।" फिल्म 'मैंने दिल तुझको दिया' में समीरा रेड्डी, संजय दत्त, कबीर बेदी और दलीप ताहिल जैसे कलाकार थे। इस गाने का कोरियोग्राफी फराह खान ने किया था। समीरा ने यह भी बताया कि 2004 की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' में फराह खान ने सुष्मिता सेन की भूमिका के लिए सबसे पहले उन्हें चुना था, लेकिन शेड्यूलिंग और अन्य प्रोजेक्ट्स के कारण उन्हें यह भूमिका नहीं मिल सकी। इस बात का उन्हें आज भी अफसोस है।

गली को 60 फीट चौड़ा करने की योजना

दालमंडी में ध्वस्तीकरण, मॉडल रोड के लिए बड़ी कार्रवाई

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी के दालमंडी क्षेत्र में रविवार को बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान चलाया गया। प्रशासन की देखरेख में करीब 30 मकानों को तोड़ा जा रहा है। मजदूर छेनी-हथौड़ी के जरिए भवनों को ध्वस्त कर रहे हैं, जबकि मौके पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

कार्रवाई के दौरान 150 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। पूरे इलाके में बैरिकेडिंग कर आम लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। साथ ही, ड्रोन कैमरों से निगरानी कर स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। प्रशासन के अनुसार, जिन मकानों को हटाया जा रहा है, उनकी रजिस्ट्री पूरी कर ली गई है और संबंधित मालिकों को मुआवजा राशि उनके खातों में भेज दी गई है। ईद के मद्देनजर पहले इस कार्रवाई को टाल दिया गया था, लेकिन अब इसे तेजी से

पूरा किया जा रहा है। इससे पहले भी 22 जर्जर मकानों को गिराया जा चुका है। यह पूरा अभियान दालमंडी गली को मॉडल सड़क के रूप में विकसित करने की योजना का हिस्सा है। इस परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री द्वारा उनके काशी दौरे के दौरान किया गया था। इसके लिए राज्य सरकार ने 215.88 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है, जिसमें से 191 करोड़ रुपये भवन और दुकान मालिकों को मुआवजे के रूप में दिए जा रहे हैं।

लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अनुसार, नई सड़क से चौक थाना तक करीब 650 मीटर लंबी दालमंडी गली को 60 फीट चौड़ा किया जाएगा।

बैरिकेडिंग कर रोकी गई आम लोगों की आवाजाही

150 पुलिसकर्मियों की तैनाती, ड्रोन से की जा रही कड़ी निगरानी

मुआवजा देकर हटाए जा रहे भवन और दुकानें

इसमें 30 फीट चौड़ी सड़क और दोनों ओर 15-15 फीट की पटरी बनाई जाएगी। साथ ही बिजली, पानी और सीवर की सभी व्यवस्थाएं भूमिगत की जाएंगी, जिससे क्षेत्र में फैले तारों के जंजाल से भी मुक्ति मिलेगी। इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होने के साथ ही शहरी विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

गैस संकट या अव्यवस्था कतारों में बढ़ता आक्रोश

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ में घरेलू एलपीजी गैस को लेकर हालात बिगड़ते नजर आ रहे हैं। गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें और बढ़ता हंगामा प्रशासन के "पर्याप्त स्टॉक" के दावों पर सवाल खड़े कर रहा है। शहर के कई इलाकों में लोग घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं, जबकि कई जगह कर्मचारियों से झड़प की घटनाएं भी सामने आई हैं।

सूरजकुंड, हापुड़ रोड और तिरंगा गैस एजेंसी जैसे क्षेत्रों में भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। हालात ऐसे हो गए कि कुछ जगहों पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और हंगामे की स्थिति बन गई। खासतौर पर घनी आबादी वाले इलाकों में स्थिति ज्यादा संवेदनशील बनी हुई है।

जिला प्रशासन का कहना है कि जिले में गैस का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और सप्लाई सामान्य है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है। एजेंसी संचालकों का दावा है कि लोग तय समय से पहले ही सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं, जिससे भीड़ बढ़ रही है। वहीं, कई उपभोक्ताओं का कहना है कि बुकिंग के बावजूद समय पर डिलीवरी नहीं हो रही।

कालाबाजारी की आशंका ने भी हालात को और बिगाड़ा है। पूर्ति विभाग की जांच में कुछ एजेंसियों और हॉकरों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। साथ ही, कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर घरेलू सिलेंडरों के इस्तेमाल के मामले सामने आए हैं, जिससे आम उपभोक्ताओं के हिस्से की गैस प्रभावित हो रही है।

एक और चिंता का विषय यह है कि बिना बुकिंग के भी लोगों के मोबाइल पर सिलेंडर बुकिंग के मैसेज पहुंच रहे हैं। इससे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं और लोगों में अविश्वास बढ़ रहा है।

कुल मिलाकर, यह स्थिति सिर्फ गैस की उपलब्धता का नहीं, बल्कि प्रबंधन और निगरानी की कमी का संकेत देती है। जब तक सप्लाई व्यवस्था पारदर्शी और सुचारु नहीं होगी, तब तक लोगों को राहत मिलना मुश्किल है।

एकादशी पर अयोध्या में उमड़ी श्रद्धा की अपार भीड़

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या में एकादशी के अवसर पर आयोजित पंचकोसी परिक्रमा में रविवार को लाखों श्रद्धालु शामिल हुए। सुबह से ही परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की लंबी कतारें नजर आईं और पूरा क्षेत्र "जय श्रीराम" के जयघोष से गूंज उठा।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। सभी ने आस्था और भक्ति के साथ परिक्रमा पूरी कर भगवान श्रीराम के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट की और देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। परिक्रमा मार्ग पर पेयजल, चिकित्सा और सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई।

पुलिस बल तैनात कर भीड़ को नियंत्रित किया गया, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

गौरतलब है कि इससे पहले यहां आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का समापन हुआ था। इसके अगले ही दिन हुई परिक्रमा में उमड़ी भीड़ ने अयोध्या की धार्मिक आस्था और परंपरा को फिर जीवंत कर दिया।

उच्चशिक्षित महिलाएं अब बनेंगी रोडवेज कंडक्टर

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में रोडवेज बसों की तस्वीर बदलने की दिशा में एक नई पहल शुरू हुई है। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए परिवहन विभाग ने महिला परिचालकों की भर्ती प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें एमए, एमएड, बीएड जैसी उच्च डिग्रीधारक युवतियां भी आवेदन कर रही हैं। मसूदाबाद बस स्टैंड पर आयोजित भर्ती मेले में बड़ी संख्या में शिक्षित महिलाएं पहुंचीं। न्यूनतम योग्यता इंटरमीडिएट होने के बावजूद उच्च शिक्षित अभ्यर्थियों की भागीदारी ने सभी को चौंका दिया। उनका कहना है कि यह नौकरी न केवल रोजगार का अवसर है, बल्कि आत्मनिर्भर बनने और समाज में अपनी भूमिका मजबूत करने का जरिया भी है।

हालांकि, 300 पदों के मुकाबले केवल 102 आवेदन ही आए, जिससे इस नौकरी के प्रति सीमित रुचि भी सामने आई है। परिवहन विभाग के अनुसार शेष पदों के लिए आगे और भर्ती मेले आयोजित किए जाएंगे।

काला चश्मा, तलवार और आईपीएस दूल्हे का स्वैग

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल के पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। रविवार को वे पूरे शाही अंदाज में दूल्हा बनकर राजस्थान के बाड़मेर से जोधपुर के लिए बारात लेकर रवाना हुए, जहां उनकी शादी अंशिका वर्मा से होनी है।

दूल्हे के रूप में केके बिश्नोई का अंदाज बेहद खास रहा। उन्होंने पारंपरिक शेरवानी पहन रखी थी, आंखों पर काला चश्मा और हाथ में तलवार थामे घोड़ी पर सवार होकर बारात निकाली। घर से निकलने से पहले बहन ने उन्हें मिठाई खिलाई, जिसके बाद वे मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की गूंज और घर की महिलाओं के डांस ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। शादी की थीम "कृष्णांशिका" रखी गई है, जो दोनों के नामों का सुंदर संगम है। इससे पहले मेहंदी और हल्दी समारोह भी धूमधाम से आयोजित किए गए। बाड़मेर में हुई मेहंदी सेरेमनी में केके बिश्नोई दोस्तों के साथ राजस्थानी गीतों पर झूमते नजर आए, वहीं

अंशिका वर्मा की मेहंदी जोधपुर में संपन्न हुई। बारात करीब 200 किलोमीटर की दूरी तय कर 3-4 घंटे में जोधपुर पहुंचेगी, जहां शादी की मुख्य रस्में पूरी की जाएंगी। दोनों ही आईपीएस अधिकारी होने के कारण यह शादी प्रशासनिक और सामाजिक हलकों में खास चर्चा का विषय बनी हुई है। पूरे आयोजन में परंपरा और आधुनिकता का अनोखा संगम देखने को मिला-जहां एक ओर शाही बारात और रस्में थीं, वहीं दूसरी ओर दूल्हे का स्टाइल और उत्साह भी आकर्षण का केंद्र बना रहा। यह शादी न केवल दो व्यक्तियों का मिलन है, बल्कि दो जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों के जीवन का नया अध्याय भी है।

यूपी के 61 हजार गांवों तक पहुंचेगी बैंकिंग सुविधा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हजारों गांव और कस्बे, जो अब तक बैंकिंग सेवाओं से दूर थे, जल्द ही वित्तीय व्यवस्था से जुड़ने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के निर्देश पर राज्य के 61 हजार से अधिक बैंकिंग-विहीन केंद्रों तक सेवाएं पहुंचाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। यह कदम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और लोगों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

आरबीआई के अनुसार प्रदेश में कुल 62,404 ऐसे केंद्र चिन्हित किए गए थे, जहां बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। इनमें से अधिकांश टियर-6 श्रेणी में आते हैं, जहां आबादी 5000 से कम है। इन क्षेत्रों में पारंपरिक बैंक शाखाएं खोलना भौगोलिक और आर्थिक कारणों से कठिन है। ऐसे में

बैंकों को वैकल्पिक उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। अब इन इलाकों में बैंकिंग आउटलेट, बैंक मित्र और डिजिटल माध्यमों के जरिए सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे न केवल लागत कम होगी, बल्कि दूर-दराज के क्षेत्रों तक पहुंच आसान हो सकेगी। बैंकों ने इस दिशा में माइक्रो लेवल सर्वे शुरू कर दिया है, ताकि हर क्षेत्र की जरूरत के अनुसार सुविधाएं विकसित की जा सकें। प्राथमिकता उन गांव-कस्बों को दी जा रही है, जहां आबादी चार से पांच हजार के बीच है। पहले चरण में 641 केंद्रों को चुना गया था, जिनमें से 618 तक बैंकिंग सेवाएं पहुंच चुकी हैं। हालांकि, कुछ दुर्गम और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अभी भी काम बाकी है, जहां जल्द सेवाएं शुरू करने की तैयारी चल रही है। इन प्रयासों की निगरानी राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के माध्यम से की जा रही है। बैंकों को हर केंद्र की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से आरबीआई को भेजने के निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तर पर भी प्रशासन के साथ समन्वय बढ़ाया गया है, ताकि कार्य में तेजी लाई जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। जनधन योजना, पेंशन, सब्सिडी और डिजिटल भुगतान जैसी सुविधाएं सीधे गांवों तक पहुंचेंगी, जिससे आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और लोगों की बैंकिंग तक पहुंच आसान होगी। कुल मिलाकर, यह पहल वित्तीय समावेशन की दिशा में एक बड़ा कदम है, जो प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सरकारी नहीं, असरकारी संत: अविमुक्तेश्वरानंद

यूनिक समय, अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गोमाता की रक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी का नेता हो, उसे गोमाता की रक्षा करनी ही पड़ेगी। उन्होंने खुद को "सरकारी नहीं, असरकारी संत" बताते हुए कहा कि संतों का काम सत्ता का समर्थन नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना है। उन्होंने 3 मई से प्रदेशव्यापी धर्मयुद्ध यात्रा की घोषणा की और आरोप लगाया कि गो संरक्षण के मुद्दे पर सरकार अपेक्षित कदम नहीं उठा रही। साथ ही यूजीसी संशोधन पर भी सवाल खड़े किए।

सार संक्षेप

मन की बात: पीएम मोदी ने की देशवासियों से एकजुट रहने की अपील

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में देशवासियों से पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने अफवाहों से बचने और सरकार की जानकारी पर भरोसा रखने की सलाह दी। पीएम मोदी ने पांडुलिपियों के संरक्षण, युवाओं की भागीदारी और खेलों में हाल की उपलब्धियों जैसे टी 20 विश्व कप और रणजी ट्रॉफी पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने युवाओं के योगदान और स्पोर्ट्स को बढ़ावा देने की भूमिका की सराहना की।

पुलिस भर्ती के दौरान दौड़ते युवक की मौत, सपना अधूरा रह गया

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बुलढाणा के 23 वर्षीय पुरुषोत्तम भीमराव बुरकुल की पुलिस भर्ती के दौरान पुणे में दौड़ते समय मौत हो गई। शिवाजीनगर मैदान में 1600 मीटर दौड़ के तीसरे चक्कर में उन्हें अचानक दौरा पड़ा और वे गिर पड़े। तुरंत ससून अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। एक्सपर्ट्स के अनुसार, दौड़ के दौरान हृदय पर अत्यधिक दबाव पड़ने, कार्डियक अरेस्ट या जन्मजात दिल की समस्या मौत का मुख्य कारण हो सकते हैं।

तमिलनाडु चुनाव: अभिनेता विजय दो सीटों से लड़ेंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) प्रमुख अभिनेता विजय ने घोषणा की कि वह चेन्नई की पेरम्बेर और तिरुचिरापल्ली ईस्ट विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। इन सीटों पर उनके नामांकन के रूप में 'सी. जोसेफ विजय' होगा। विजय ने अपने उम्मीदवारों को डीएमके के खिलाफ भ्रष्टाचार के खिलाफ शपथ दिलाई और कहा कि यह चुनाव उनके जनता गठबंधन और एमके स्टालिन नेतृत्व वाली डीएमके के बीच सीधा मुकाबला होगा। उन्होंने भरोसेमंद उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है।

तमिलनाडु चुनाव: एआईएडीएमके ने जारी की तीसरी उम्मीदवार सूची

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए एआईएडीएमके ने 17 नए उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की है। पार्टी महासचिव ईके पलानीस्वामी ने वरिष्ठ नेता आदि राजाराम को चेपॉक-तिरुवल्लिकेनी, पूर्व मंत्री बी. वलारमति को थाउजेंड लाइट्स और एस. गोकुला इंदिरा को अन्ना नगर से चुनाव लड़ने का मौका दिया। अब तक एआईएडीएमके कुल 167 उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। आगामी चुनाव 23 अप्रैल को तमिलनाडु की 234 विधानसभा सीटों पर एक चरण में होंगे।

केरल में पीएम मोदी का शंखनाद: पलक्कड़ में विपक्ष पर किया तीखा वार

एलडीएफ और यूडीएफ पर लगाए आरोप

कहा, राज्य में भाजपा सरकार बनने पर घोटालों की जांच कराई जाएगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पलक्कड़ पहुंचे। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल मुंडु (धोती) में नजर आए और जनसभा में उनका भव्य स्वागत किया गया। समारोह के दौरान उन्होंने केरल के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र 'चेंडा' पर भी हाथ आजमाया और इसे उत्साहपूर्वक बजाया।
पीएम मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ये दोनों दल दशकों तक सत्ता का व्यापार करते रहे, केरल को लूटने के लिए आपस में समझौता करते थे और केवल वोटबैंक नीतियों पर ध्यान देते थे। उन्होंने कहा कि जनता अब इस भ्रष्ट राजनीति को समझ चुकी है और भाजपा और एनडीए में विश्वास कर रही है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि पलक्कड़ का माहौल अब बदलाव का प्रतीक बन चुका है। उन्होंने केरल की जनता, युवाओं, महिलाओं और किसानों को भाजपा पर भरोसा

करते हुए देखा। पीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं की मेहनत और उनके साहस की भी सराहना की, जिन्होंने राजनीतिक हिंसा के बावजूद अपना योगदान दिया। प्रधानमंत्री ने जनता को भरोसा दिलाया कि भाजपा और एनडीए की सरकार आने पर केरल में तेज विकास होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा सरकार बनने पर घुराने घोटालों की जांच कराई जाएगी और जनता को न्याय मिलेगा। यह 'मोदी की गारंटी' है। वहीं पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की सरकार युद्ध के प्रभाव से भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह इस संवेदनशील मामले का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रही है, जिससे खाड़ी देशों में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। प्रधानमंत्री ने केरल के सुंदर वातावरण की भी तारीफ की और जनता से बदलाव के समर्थन की अपील की, जिससे राज्य में एनडीए सरकार बन सके और भ्रष्टाचार का अंत हो।

असम चुनाव : मल्लिकार्जुन खड़गे ने की पांच बड़ी गारंटियों की घोषणा

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पार्टी का घोषणापत्र पेश किया। उन्होंने जनता के लिए पांच मुख्य गारंटियों की घोषणा की। महिला कल्याण, महिलाओं के बैंक खातों में बिना शर्त नकदी ट्रांसफर और नया व्यवसाय शुरू करने के लिए 50,000 रुपये की सहायता। स्वास्थ्य सुरक्षा, हर परिवार को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा। भूमि अधिकार, करीब 10 लाख स्थानीय 'भूमिपुत्रों' को भूमि का स्थायी पट्टा। जुबीन गर्ग मामले में न्याय, 100 दिनों में जांच पूरी कर न्याय सुनिश्चित। बुजुर्ग सहायता, राज्य के वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये की आर्थिक मदद। खरगे ने भाजपा सरकार पर 'डबल लूट' का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर राज्य में डर का माहौल बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने भ्रष्टाचार और जातिगत भेदभाव के मुद्दे उठाए और जनता से भाजपा को सत्ता से बाहर करने की अपील की। उन्होंने असम की विरासत और गौरव की चर्चा करते हुए शंकर देव, गोपीनाथ बोरदोलोई और तरुण गोगोई जैसे नेताओं को याद किया और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश को एकजुट रखा, जबकि भाजपा विभाजन फैलाती है। यह घोषणा कांग्रेस की असम में वापसी की रणनीति का अहम हिस्सा मानी जा रही है।

देश की सुरक्षा कांग्रेस के लिए कभी प्राथमिकता नहीं रही : अमित शाह

यूनिक समय, नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह अपने दो दिवसीय असम दौरे के दौरान सोनितपुर में रैली को संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और कहा कि देश की सुरक्षा कांग्रेस के लिए कभी प्राथमिकता नहीं रही। अमित शाह ने रैली में कहा कि कांग्रेस ने हमेशा राजनीतिक लाभ के लिए ही सुरक्षा नीतियों को कमजोर किया। उनके अनुसार, कांग्रेस की सोच में देश और लोगों की सुरक्षा कोई महत्व नहीं रखती। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस बार चुनाव में अपनी सोच बदलें और देश की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। अमित शाह ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गोगोई केवल राजनीतिक विरोध

करने में विश्वास रखते हैं और ऐसे मुद्दों का विरोध करते हैं जो राष्ट्रीय सुरक्षा और लोगों के हित में जरूरी हैं। अमित शाह ने कहा कि ऐसे नेता देश की सुरक्षा और विकास के मुद्दों को नजरअंदाज कर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उनका कहना था कि कांग्रेस केवल विरोध करने के लिए विरोध करती है और जनता की सुरक्षा को हमेशा नजरअंदाज करती है। रैली में अमित शाह ने असम की जनता से अपील की कि वे भाजपा के विकास और सुरक्षा एजेंडे को समझें। उन्होंने कहा कि भाजपा ही वह पार्टी है जो राष्ट्रीय सुरक्षा, लोगों की सुरक्षा और राज्य के विकास को प्राथमिकता देती है। अमित शाह ने जोर देकर कहा कि असम में स्थिर और मजबूत सरकार जरूरी है, जो न केवल विकास के लिए काम करे बल्कि सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को भी सुनिश्चित करे। अमित शाह की रैली में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

भाजपा सत्ता में आई तो मछली, मांस और अंडा खाना हो जाएगा मुश्किल : ममता

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा शासित राज्यों में लोग मछली नहीं खा सकते। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बंगाल में भाजपा सत्ता में आती है, तो यहां के लोगों का मछली, मांस और अंडा खाना भी मुश्किल हो जाएगा। ममता ने कहा कि भाजपा अपनी मर्जी का खान-पान दूसरों पर थोपती है।
सीएम ने भाजपा पर नफरत फैलाने और दंगे भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मासूम और बेगुनाह लोगों की जान लेकर ही भाजपा सत्ता तक पहुंचती है। ममता ने यह भी आरोप लगाया

कि आज देश में सबसे ज्यादा आदिवासियों और महिलाओं पर अत्याचार भाजपा शासित राज्यों में हो रहे हैं। वहां कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है। ममता बनर्जी ने बंगालियों की अस्मिता और प्रवासियों के खिलाफ होने वाले हमलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसी पर भेदभाव नहीं करती और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।
उन्होंने लक्ष्मी भंडार योजना का भी जिक्र किया और कहा कि टीएमसी की सरकार रहेगी तो माताओं और बहनों को आजीवन लाभ मिलता रहेगा, जबकि भाजपा केवल चुनाव के समय ही आर्थिक सहायता देती है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बंगाल की संस्कृति, खान-पान और जनता की सुरक्षा के लिए टीएमसी ही भरोसेमंद विकल्प है और लोग भाजपा के आने पर न केवल अपनी आजादी बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी खो देंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला: बेटे की मौत के बाद बहू से गुजारा भत्ता नहीं लिया जा सकता

यूनिक समय, नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि बेटे की मृत्यु के बाद सास-ससुर बहू से भरण-पोषण का दावा नहीं कर सकते। कोर्ट ने बुजुर्ग दंपति की याचिका खारिज करते हुए कहा कि कानून और नैतिक जिम्मेदारी में अंतर है। जस्टिस मदन पाल सिंह की पीठ ने बताया कि बहू का अपने सास-ससुर की सेवा करना समाज में नैतिक जिम्मेदारी हो सकता है, लेकिन कानूनी रूप से इसे थोपना संभव नहीं है।
मामला उत्तर प्रदेश का है, जहां बुजुर्ग दंपति अपने बेटे की 2021 में हुई मृत्यु के बाद बहू से गुजारा भत्ता मांग रहे थे। बहू खुद यूपी पुलिस में कांस्टेबल है और उसे नौकरी से जुड़े सभी लाभ प्राप्त हैं। बुजुर्गों ने दलील दी कि बहू की पर्याप्त आय के कारण उसे सास-ससुर का ख्याल रखना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने इसे कानून के दायरे में नहीं माना। कोर्ट ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144 का हवाला देते हुए कहा कि यह अधिकार केवल पत्नी, बच्चों और माता-पिता तक सीमित है। सास-ससुर को इसमें शामिल नहीं किया गया है। अदालत ने फैमिली कोर्ट के पुराने फैसले को सही ठहराते हुए याचिका खारिज कर दी और दोहराया कि गुजारा भत्ता केवल कानून द्वारा निर्धारित विशेष श्रेणियों के लोग ही मांग सकते हैं।

सामूहिक संघर्ष बन चुका युद्ध

ईरान के खिलाफ अमेरिका अकेला नहीं, खाड़ी देश साथ : ट्रंप

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका अकेला नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सऊदी अरब, यूएई, कतर, बहरीन और कुवैत जैसे खाड़ी देश अमेरिका के साथ खड़े हैं और ईरान की सैन्य क्षमता को पूरी तरह खत्म करने में सहयोग कर रहे हैं। फ्लोरिडा में आयोजित निवेश मंच पर बोलते हुए ट्रंप ने बताया कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अब उनके नेतृत्व और नीतियों की सराहना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्राउन प्रिंस को उम्मीद नहीं थी कि अमेरिका इतनी जल्दी और मजबूती से अपनी स्थिति मजबूत करेगा। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में बताया कि पहले सऊदी नेताओं को लगा था कि अमेरिकी कार्यकाल कमजोर होगा, लेकिन अब वे

अमेरिका के साथ बेहतर संबंध बनाने को मजबूर हैं। ट्रंप ने क्राउन प्रिंस को "शानदार योद्धा" और प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला नेता बताया और कहा कि सऊदी अरब को अपने नेतृत्व पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि खाड़ी देश ईरान के खिलाफ युद्ध में अमेरिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। ट्रंप ने बताया कि खाड़ी देशों की मांग है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन निर्माण क्षमता को पूरी तरह से खत्म किया जाए। उनका उद्देश्य भविष्य में ईरान की ओर से किसी भी सैन्य खतरे को स्थायी रूप से रोकना है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी आर्थिक नीतियों और अमेरिका की मजबूत अर्थव्यवस्था को इस गठबंधन का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब दुनिया के शीर्ष विकसित देशों में शामिल है और यही ताकत खाड़ी देशों को अमेरिका के साथ एकजुट रहने के लिए प्रेरित कर रही है। इस बयान के साथ ट्रंप ने साफ कर दिया कि ईरान के खिलाफ यह युद्ध अब केवल अमेरिका का संघर्ष नहीं बल्कि खाड़ी देशों की भी सामूहिक प्रयास बन चुका है।

तिरुचिरापल्ली मंदिर की छत गिरने से श्रद्धालु की मौत, दो लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के समयपुरम मरियम्मन मंदिर में छत का एक हिस्सा गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। यह हादसा सन्नाथी स्ट्रीट मंडपम में उस समय हुआ जब दर्शन के लिए आए श्रद्धालु सो रहे थे। त्रिची जिला पुलिस के मुताबिक, तंजावुर जिले की 32 वर्षीय नादिया की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य दो घायल श्रद्धालुओं को आसपास मौजूद लोगों ने बचाया और 108 एम्बुलेंस सेवा की मदद से महात्मा गांधी मेमोरियल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। तमिलनाडु में 23 अप्रैल 2026 को विधानसभा चुनाव होने हैं। इस तरह के हादसे कभी-कभी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन जाते हैं।

फरह में दो पक्षों में जमकर हुआ पथराव,मचा हंड़कंप

रिफाइनरी सर्किल के थानों की फोर्स ने पहुंच कर किया कंट्रोल

टेंपो के पैसों को लेकर हुआ था विवाद

यूनिक समय, फरह। टेंपो के किराए के पैसे को लेकर दो पक्षों में हुए बवाल मे दोनों ओर से जमकर ईंट पत्थर चले। पथराव की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रिफाइनरी सीओ और सर्किल के थाने को फोर्स ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को कंट्रोल किया। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस घटना में शामिल लोगों की तलाश कर रही है। बताया गया कि आज सायं करीब साढ़े पांच बजे व्यापारियों मौहल्ले में रहने वाले कल्लू कबाड़िया के भाई पर फतिहा निवासी पीतम के 4500 रुपये बाकी थे। भाई पीतम का टेंपो चलाता था। पीतम आज उससे पैसे लेने के लिए गया था। पैसे के लेनदेन को लेकर वहां पीतम और उसके साथियों के साथ कल्लू के भाई की कहासुनी हो गई। इसके बाद देखते ही देखते ईंट पत्थर और कांच की बोतले फिंकने लगी। दोनों ओर से होने वाले पथराव से इलाके में दहशत फैल गई। मौके पर पहुंची फरह पुलिस भी पथराव के कारण अंदर नहीं जा सकी। फरह में हुए झगड़े का पता लगाने पर सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवाल ने थाना रिफाइनरी हाईवे को तुरंत फरह पहुंचने के आदेश दिए। कुछ ही देर में सीओ के अलावा रिफाइनरी थाना प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर, थाना प्रभारी निरीक्षक हाईवे शैलेंद्र सिंह पुलिस फोर्स के साथ फरह पहुंच गए। तीनों थानों की टीमों ने मौहल्ला व्यापारियान में पहुंचकर पथराव करने वालों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस का तलाशी अभियान जारी था।

यूपी बोर्ड की कॉपियों की जांच तेज, जल्द पूरा होगा मूल्यांकन

हाईस्कूल व इंटर की लाखों कॉपियां जांची गईं

अब अंतिम चरण में काम

यूनिक समय, मथुरा। जिले में यूपी बोर्ड हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 की कॉपियों की जांच का काम तेजी से चल रहा है। इसके लिए दो केंद्र बनाए गए हैं, जहां शिक्षक लगातार कॉपियां जांच रहे हैं। हाईस्कूल की कॉपियों की जांच राजकीय इंटर कॉलेज, मथुरा में हो रही है। अब तक कॉपियों की ज्यादातर जांच हो चुकी है। अब केवल 3,330 कॉपियां जांच के लिए बची हैं। यहां काम लगभग पूरा होने की स्थिति में है। इंटरमीडिएट की कॉपियों की जांच के लिए किशोरी रमण इंटर कॉलेज, मथुरा को केंद्र बनाया गया है। लगभग 1,49,497 कॉपियों की जांच हो चुकी है। अब करीब 37,955 कॉपियां जांच के लिए बाकी हैं और काम जारी है। जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों केंद्रों पर कॉपियों की जांच पूरी जिम्मेदारी के साथ की जा रही है।

उन्होंने कहा कि सभी कॉपियों की जांच तय समय के अंदर पूरी कर ली जाएगी, ताकि रिजल्ट समय पर जारी किया जा सके। काम लगातार चल रहा है और उम्मीद है कि जल्द ही सभी कॉपियों की जांच पूरी हो जाएगी।

कामदा एकादशी पर बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा भीड़ का सैलाब

भीड़ में आगे बढ़ने को लेकर हुआ झगड़ा

पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया, वीडियो वायरल

यूनिक समय, मथुरा। कामदा एकादशी पर प्रसिद्ध ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे। इसी दौरान एक युवक दर्शन के लिए आगे बढ़ने लगा। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे रोक दिया। इसी बात को लेकर युवक और पुलिस के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और पुलिसकर्मियों ने युवक के साथ सख्ती की। घटना का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पुलिसकर्मी युवक को पकड़कर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। कामदा एकादशी के कारण मंदिर में भीड़ उमड़ पड़ी। इसी को देखते हुए पुलिस और प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर के बाहर बैरिकेडिंग लगाई गई थी और अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात था। इसके बावजूद भीड़ अधिक होने के कारण थोड़ी अव्यवस्था की स्थिति बन गई।

जीआरपी ने स्टेशन से किशोरी को किया बरामद

परिवार से झगड़ कर घर से चली आई थी

पुलिस ने परिवार के सुपुर्द किया

यूनिक समय, मथुरा। राजकीय रेलवे पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक किशोरी को प्लेटफॉर्म संख्या एक पर पूछताछ करने के बाद जानकारी कर उसके परिवार को सुपुर्द कर दिया। जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के दृष्टिगत उप निरीक्षक गौरव माल्या मय क्यूआरटी टीम व महिला हैड कांस्टेबल राजरानी के रेलवे स्टेशन पर चैकिंग कर रहे थे। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर एक लड़की (18) साल निवासी डौंगपुर वार्ड जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश प्लेट पर घूमती हुई मिली।

शक होने पर पुलिस टीम द्वारा पूछताछ की गयी तो लड़की ने बताया कि मैं अपने घर से मां से झगड़ा करके बिना बताये चली आई हूं। लड़की से उसके माता-पिता का नम्बर पूछा गया तो उसने भाई मनमोहन का मोबाइल नंबर बताया, जिस पर सूचना दी गयी तो उसने बताया कि मेरी बहन 28 मार्च को घर से बिना बताये कहीं चली गयी थी। लड़की को थाना पर लाकर महिला हेल्प डेस्क पर राजरानी की निगरानी में बिठाया गया। लड़की के भाई व उसकी माता थाना में आये। लड़की को नियमानुसार परिजन के सुपुर्द किया गया। लड़की को सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस टीम को धन्यवाद देते हुए जीआरपी की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पुलिस ने मांट टोल पर बढ़ाई चेकिंग

वाहनों को चेक किया संदिग्धों से की पूछताछ

पैदल गश्त से जनता में बढ़ी सुरक्षा की भावना

यूनिक समय, सुरीर। थाना मांट क्षेत्र स्थित मांट टोल पर पुलिस की अचानक बढ़ती सरगर्मी को देख स्थानीय लोगों में कई तरह की चर्चा रहीं। पुलिस द्वारा हर गुजरते वाहन को रोका जा रहा था, संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही थी। क्षेत्राधिकारी माँट संदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से मांट टोल पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की गहन जांच की। वहीं पुलिसकर्मियों ने टोल क्षेत्र में पैदल गश्त कर हर गतिविधि पर नजर रखी। अचानक पुलिस की बढ़ी सख्ती से यह साफ संदेश गया कि कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क है। क्षेत्राधिकारी संदीप कुमार सिंह ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को नजरअंदाज न किया जाए और क्षेत्र में शांति व्यवस्था हर हाल में कायम रखी जाए। पुलिस की इस सक्रियता से जहाँ आमजन में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा, वहीं असामाजिक तत्वों के हौंसले भी कमजोर होते नजर आए।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सेवानिवृत्त शिक्षकों का किया सम्मान

यूनिक समय, गोवर्धन। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ गोवर्धन इकाई द्वारा अनोखी रिसोर्ट, सौंख में सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक ठाकुर मेघश्याम सिंह एवं विशिष्ट अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती रतन कीर्ति मौजूद रहीं। अतिथियों ने लक्ष्मीनारायण गोस्वामी, महेंद्र सिंह और मिथिलेश चौधरी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि इन विद्यालयों ने समाज को योग्य नागरिक दिए हैं और अभिभावकों से बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में कराने का आह्वान किया। बीएसए ने विद्यालयों की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए "स्कूल चलो अभियान" को सफल बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षकों एवं पदाधिकारियों ने विचार व्यक्त किए। संचालन बाबूलाल मिश्रा ने किया तथा अंत में जिला मंत्री बच्चू सिंह व अध्यक्ष अशोक फौजदार ने सभी का आभार जताया।

जावरा में सुखिया फाउंडेशन का रक्तदान शिविर लगा

यूनिक समय, सुरीर (मथुरा)। मांट के गांव जावरा में रविवार को सुखिया फाउंडेशन के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि एमएलसी योगेश नौहवार ने फीता काटकर किया। शिविर में रक्तदाताओं ने रक्तदान को जीवन बचाने का सबसे बड़ा दान कहा। समाजसेवी दिलीप चौधरी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक रक्त संग्रह कर जरूरतमंदों की मदद करना है। रक्तदाताओं को फाउंडेशन की ओर से अंगवस्त्र, हेलमेट और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विनीत, कुलदीप कुमार, प्रदीप, नरेंद्र, कृष्ण कुमार, संजू, ओमवीर, भूपेंद्र कुमार, करनपाल आदि मौजूद रहे।

350 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने एक अभियुक्त को 350 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। मांट पुलिस ने चेकिंग के दौरान राधारानी अंडर पास के समीप से मांट मूला निवासी गजेंद्र को गिरफ्तार कर उसके कब्जे 350 ग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने एक अभियुक्त को भीम अंडर पास के समीप से अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान भीम अंडर पास के समीप से अभियुक्त सुंदर कुमार निवासी नगला बिंदा थाना मांट को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक चाकू बरामद किया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर हुआ सम्पन्न

छात्राओं को साइबर सुरक्षा व शिक्षा का संदेश

छात्राओं को साइबर अपराध की जानकारी देते एसआई मुस्ताक मेहदी।

यूनिक समय, मथुरा। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की प्रथम एवं द्वितीय इकाई के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय शिविर का आयोजन संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. प्रतिभा एवं सोनम यादव के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेविकाओं द्वारा प्रस्तुत लक्ष्यगीत के साथ किया गया। साथ ही छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाते हुए परिसर की साफ-सफाई एवं हॉल व्यवस्था के कार्य में श्रमदान कर समाज सेवा का संदेश दिया। शिविर के द्वितीय बौद्धिक सत्र में साइबर सुरक्षा विषय पर एस.आई. मुस्ताक मेहदी ने विस्तारपूर्वक व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों से अवगत कराते हुए उनसे बचाव के उपाय बताए। उन्होंने फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट, एटीएम धोखाधड़ी एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर होने वाले ठगी के मामलों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। कांस्टेबल श्रीमती शीतल चौधरी ने भी विभिन्न वास्तविक घटनाओं के उदाहरण प्रस्तुत कर छात्राओं को जागरूक किया। तृतीय एवं चतुर्थ सत्र में शिक्षा की महत्ता पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन सोनम यादव के द्वारा शिक्षा के माध्यम से समाज में आने वाले सकारात्मक बदलावों के बारे में बताया।

नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। छाता पुलिस ने एक अभियुक्त को नशीला पाउडर 281 ग्राम अल्प्राजोलम के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने छाता शेरगढ़ मार्ग पर अभय ढाबे के सामने बम्बे की पटरी के समीप से रौकी निवासी नगला थोक छाता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 281 ग्राम नशीला पाउडर बरामद किया है।